Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार
मूर्तियां एवं समस्त
पूजन सामग्री
संगमरमर व पीतल की
मूर्तियां राशि रत्न
एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

# समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 246 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 05 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

## संक्षिप्त समाचार

### मछली पकड़ने गए तीन दोस्तों में से दो बह गए

**कोरबा।** कोरबा जिले के ग्राम लतलोता में हसदेव नदी में मछली पकड़ने गए तीन दोस्तों के साथ हादसा हो गया। रविंद्र यादव और उसके दो दोस्त एक नाव में सवार होकर मछली पकड़ रहे थे, तभी भारी बारिश के कारण नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। दो दोस्त किसी तरह तैरकर कुछ किलोमीटर दूर सुरक्षित निकल आए, लेकिन रविंद्र यादव के बह जाने की आशंका जताई। परिजनों को नदी किनारे रविंद्र की बाइक मिली, लेकिन नाव और रविंद्र का पता नहीं चला। बाद में रविंद्र भी तैरकर सुरक्षित गांव पहुंच गया और उसने ग्रामीणों को अपनी आपबीती सुनाई। इस घटना से गांव में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। एक अन्य घटना में, उरगा थाना क्षेत्र के भिलाई खुर्द (वार्ड नंबर 10) निवासी 51 वर्षीय दुर्गा सिंह गुरुवार देर शाम हसदेव नदी के किनारे अपनी फसल देखने गए थे। अचानक जलस्तर बढ़ने से वह फंस गए और जान बचाने के लिए पेड़ पर चढ़ गए। अन्य किसान मौके से भाग निकले। वार्ड पार्षद उमेंद्र पटेल ने ग्रामीणों के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस और 112 को सूचना दी। पुलिस और जिला प्रशासन की आपदा रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तेज बहाव के कारण शुरुआत में बचाव कार्य में दिक्कत आई।

### मूसलाधार बारिश से नदी-नाले उफान पर, नेशनल हाईवे मार्ग कई जगह से टूटा

**मरवाही।** पिछले 12 घंटों में गौरेला पेंड्रा मरवाही में हुई मूसलाधार बारिश से नदी नाले उफान पर हैं। बारिश की वजह से बिलासपुर पेंड्रा गौरेला को मध्यप्रदेश के जबलपुर डिंडोरी अमरकंटक से जोड़ने वाला नेशनल हाईवे मार्ग कई जगहों से बह जाने से इस मार्ग पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया है। कई गांव का संपर्क टूटा जिला मुख्यालय से, जोगीसार, बेलपत, डुगरा, कोटमीखुर्द, बस्ती बगरा, इलाकों में आज सुबह मूसलाधार बारिश हुई। कई पुल पुलिया रपटा से पानी बह रहा है। बिलासपुर को पेंड्रा जिला मुख्यालय से होते हुए मध्यप्रदेश के अमरकंटक जबलपुर से जोड़ने वाले निर्माणाधीन नेशनल हाइवे कई जगह से बह गया है। जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोग जान जोखिम में डाल कर उफनते नालों और बहाव क्षेत्रों को पार कर रहे हैं।

### स्पाइसजेट विमान का हवा में उखड़ा विंडो फ्रेम

**नई दिल्ली।** स्पाइसजेट के क्यू400 विमान में उड़ान के दौरान एक घटना घटी, जब एक कॉस्मेटिक विंडो फ्रेम ढीला हो गया और उखड़ भी गया। इसके बाद स्पाइसजेट की तरफ से औपचारिक बयान सामने आया है। बयान में बताया गया है कि यह फ्रेम एक गैर-संरचनात्मक घटक था, जिसका उद्देश्य खिड़की पर छांव प्रदान करना था।और इसका विमान की सुरक्षा या संरचना पर कोई असर नहीं पड़ा। फ्लाइट के दौरान केबिन का प्रेशर सामान्य रहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिदाद एवं टोबैगो से दुनिया को दिया संदेश

# आपके लिए सरयू और महाकुंभ संगम का पानी लाया हूं...

टोबैगो। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार (स्थानीय समय) को त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर को महाकुंभ से संगम और सरयू नदी का पवित्र जल और राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। गुरुवार को त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया, भारतीय समुदाय के साहस की प्रशंसा की और प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर को बिहार की बेटी कहा। उन्होंने राज्य के साथ उनके पैतृक संबंधों को याद किया और उनसे कैरेबियाई राष्ट्र में गंगा धारा में सरयू और महाकुंभ का जल चढ़ाने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर एवं 'क्वांटम कंप्यूटिंग' संबंधी इसके मिशन विकास के नए इंजन बन रहे हैं। मोदी ने बृहस्पतिवार को प्रवासी भारतीयों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत आज अवसरों की भूमि है और इसके विकास एवं प्रगति का लाभ ''सर्वाधिक जरूरतमंदों'' तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा, ''नये भारत के लिए आकाश भी सीमा नहीं है।'' प्रधानमंत्री पांच देशों के अपने दौरे के दूसरे चरण में दो दिवसीय यात्रा के तहत बृहस्पतिवार को त्रिनिदाद एवं टोबैगो पहुंचे। यह 1999 के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस

कैरेबियाई द्वीप राष्ट्र की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। त्रिनिदाद एवं टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर, उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों, सांसदों और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों सहित 4,000 से अधिक लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए। मोदी ने अपने संबोधन के दौरान त्रिनिदाद एवं टोबैगो में रह रहे भारतीय समुदाय की प्रशंसा करते हुए कहा, ''उन्होंने अपनी धरती छोड़ दी लेकिन अपनी आत्मा नहीं छोड़ी।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने गंगा और यमुना को पीछे छोड़ दिया लेकिन अपने दिलों में रामायण को ले गए। उन्होंने अपनी मिट्टी छोड़ी लेकिन अपनी आत्मा नहीं। वे सिर्फ प्रवासी नहीं थे। वे एक शाश्वत सभ्यता के संदेशवाहक थे। उन्होंने कहा, ''उनके योगदान से इस देश को लाभ हुआ है - सांस्कृतिक, आर्थिक और आध्यात्मिक रूप से। इस खूबसूरत देश पर आप सभी का जो प्रभाव है, उसे देखिए। मोदी ने कहा कि वह अयोध्या स्थित राम मंदिर की प्रतिकृति और सरयू नदी का कुछ जल लेकर आए हैं। उन्होंने कहा, ''आप सभी जानते हैं कि इस साल की शुरुआत में दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम महाकुंभ हुआ था। मुझे महाकुंभ का जल भी अपने साथ लाने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा, ''मैं कमला जी (प्रधानमंत्री) से अनुरोध करता हूं कि वह सरयू नदी और महाकुंभ के पवित्र जल को यहां गंगा धारा में अर्पित करें। कामना है कि यह पवित्र जल यहां के लोगों के जीवन में खुशहाली लाए।'' मोदी ने कहा कि भारत गिरमिटिया समुदाय का एक व्यापक डेटाबेस बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। गिरमिटिया ब्रिटिश शासन के दौरान भारत से लाए गए बंधुआ मजदूर थे जिन्हें फिजी, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस और कैरेबियाई देशों के बागानों में काम करने के लिए लाया गया था। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और इसके विकास पर प्रकाश डाला।

प्रयास विफल हो सकते हैं,प्रार्थनाएं नहीं

## कांग्रेस कार्यकर्ता मिलकर काम करें:डीके शिवकुमार

**नई दिल्ली।** कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सलाह और संदेश का पालन करते हुए पार्टी में सभी से मिलकर काम करने का आह्वान किया, हालांकि उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल होने के सवाल पर टिप्पणी से इनकार कर दिया। शिवकुमार ने यहां चामुंडी पहाड़ियों की चोटी पर देवी चामुंडेश्वरी की पूजा करने के बाद कहा, प्रयास विफल हो सकते हैं, लेकिन प्रार्थना नहीं। पिछले कुछ समय से सियासी गलियारों, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री के संभावित

बदलाव को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।अटकलों में सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला दिया गया है। सिद्धरमैया के पूरे पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाले बयान पर शिवकुमार से पूछा गया।

ईडी ने वर्षों तक कुछ नहीं किया...

## ईडी का केस बेहद ही अजीब है,कोर्ट में सोनिया गांधी की ओर से बोले अभिषेक मनु सिंघवी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शुक्रवार को अदालत में दलील दी कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का यह मामला 'वास्तव में बेहद अजीब और अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा, 'यह मामला सिर्फ अजीब नहीं, बल्कि बहुत ही अनोखा है। यह कथित मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है, लेकिन इसमें न कोई संपत्ति है, न संपत्ति का उपयोग या प्रदर्शन।' प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस के अलावा सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी यंग इंडियन पर मनी लॉन्ड्रिंग और साजिश के आरोप लगाए हैं। ईडी का आरोप है कि इन लोगों ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजीएल) की 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को धोखाधड़ी से हड़प लिया। यह वही कंपनी है जो नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करती थी। आरोप है कि यंग इंडियन ने सिर्फ90 करोड़ रुपये के ऋण के बदले एजीएल की पूरी संपत्ति अपने हाथ में ले ली। मामले की सुनवाई के दौरान सिंघवी ने कहा, 'हर कंपनी को कानून के तहत अपनी देनदारी हटाने की अनुमति होती है। हमने भी वही किया। हमने एजीएल का कर्ज यंग इंडियन को ट्रांसफर किया ताकि एजीएल कर्जमुक्त हो जाए।' उन्होंने बताया कि यंग इंडियन एक गैर-लाभकारी कंपनी है। इसका मतलब यह है कि कंपनी लाभ, बोनस, वेतन

या लाभांश नहीं बांट सकती।अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि ईडी ने वर्षों तक इस मामले में कुछ नहीं किया और अचानक एक निजी शिकायत के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी। उन्होंने कहा, 'ये लोग कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। अगर नेशनल हेराल्ड किसी गैर-कांग्रेसी संस्था के पास चला जाए तो यह ऐसा होगा जैसे 'हैमलेट नाटक' हो लेकिन उसमें डेनमार्क का राजकुमार न हो। ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू ने 3 जुलाई को कहा कि गांधी परिवार यंग इंडियन कंपनी के लाभार्थी मालिक हैं और अन्य शेयरधारकों की मृत्यु के बाद उन्होंने पूरी कंपनी पर नियंत्रण कर लिया। ईडी ने गांधी परिवार समेत अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग कानून (पीएमएलए) की धारा 3 (मनी लॉन्ड्रिंग की परिभाषा) और धारा 4 (सजा से जुड़ी) के तहत चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड के नाम हैं। इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख जल्द तय की जाएगी।

व्हाइट हाउस ने शुरू कर दिया काम,भारत को मिलेगी राहत?

## ट्रंप ने फिर फोड़ा टैरिफ बम,बोले 70 प्रतिशत तक लगाएंगे टैरिफ...

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से टैरिफका राग अलापा है। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका शुक्रवार से अपने व्यापारिक साझेदारों को पत्र भेजना शुरू कर देगा। इसमें टैरिफ दरें निर्धारित की जाएंगी। निर्धारित की गई टैरिफ दरों का भुगतान देशों को अगले महीने की शुरुआत से करना होगा। राष्ट्रपति बनने के बाद से ही ट्रंप लगातार टैरिफके मुद्दे को लेकर चर्चा में बने हैं। फरवरी 2025 से शुरू हुई टैरिफ की कहानी जारी है। अप्रैल में उन्होंने टैरिफ लागू कर दिया लेकिन बाद इसे उन्होंने इसे 90

दिनों के लिए टाल दिया। इसके साथ-साथ अमेरिकी प्रशासन अलग-अलग देशों के प्रतिनिधियों से टैरिफके मुद्दे पर बातचीत भी कर रहा है। भारत और अमेरिका के बीच भी ट्रेड डील पर सहमति होनी है। सूत्रों के अनुसार यह अपने अंतिम चरण पर है। अगर ट्रेड डील पूरी हो जाती है तो टैरिफसे भारत को कुछ राहत मिल सकती है। 9 जुलाई को टैरिफ पर लगी 90 दिनों की रोक खत्म हो रही है। इससे पहले अमेरिकी प्रशासन उन देशों को लेटर भेज सकता है जिन देशों से ट्रेड को लेकर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है।पत्रकारों से बात करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, टैरिफदरें 10-20 प्रतिशत के बीच शुरू हो सकती हैं और 70 प्रतिशत तक जा सकती हैं।शुक्रवार को 10 से 12 देशों को पत्र भेजे गए हैं। अगले कुछ दिनों में और भी भेजे जाएंगे। मुझे लगता है कि 9 जुलाई तक सभी कवर हो जाएंगे।

### अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, चार बच्चों सहित पांच की मौत

**हापुड़।** उत्तर प्रदेश के हापुड़ में बाइक सवार लोगों को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार सभी लोगों की मौत हो गई, इनमें चार बच्चे भी थे। बता दें, ये सभी बाइक सवार स्विमिंग करके वापस लौट रहे थे, तभी ये हादसा हुआ। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। यह हादसा थाना हाफिजपुर क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर हुआ। हादसे के बाद सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घटना के बारे में जानकारी ली। हादसे में मरने वालों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है।

सीएम देवेंद्र फडणवीस की चेतावनी

## मराठी के नाम पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं-कानून तोड़ा,तो एक्शन होगा

नई दिल्ली। एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मराठी बोलने के नाम पर लोगों के साथ गुंडागर्दी और मारपीट करने के कई मामले सामने आने के बाद संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि मराठी के नाम पर गुंडागर्दी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दें कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने मीरा रोड पर दुकान चलाने वाले एक 48 वर्षीय व्यक्ति पर हमला कर दिया था। इस घटना का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें मनसे कार्यकर्ता दुकानदार पर थप्पड़

बरसाते नजर आ रहे हैं।सीएम फडणवीस ने इस घटना के बाद सख्त रुख अख्तियार किया है। उन्होंने कहा कि मराठी का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर किसी के साथ मारपीट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फडणवीस ने कहा कि गुंडागर्दी करने वालों और कानून तोड़ने वालों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने मराठी गौरव को अपना मुख्य चुनावी मुद्दा बना लिया है। मुंबई के मीरा रोड पर जोधपुर स्वीट शॉप के मालिक के साथ मनसे के 7 सदस्यों ने गुंडागर्दी की थी। उस पर मराठी बोलने का दबाव बनाया गया, तो उसने पूछ लिया कि मराठी में बोलना अनिवार्य क्यों होना चाहिए। यहां तो सभी भाषाएं बोली जाती हैं। इसके बाद मनसे कार्यकर्ताओं ने उसके साथ मारपीट की और कहा कि उसे यहां बिजनेस करने नहीं दिया जाएगा।

पुणे में बोले अमित शाह.....

# ऑपरेशन सिंदूर स्वराज की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता का उदाहरण

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत के सशस्त्र बल और नेतृत्व 'स्वराज' या देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह बहुत अच्छे ढंग से प्रदर्शित हुआ। पुणे में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में मराठा राजनेता और जनरल पेशवा बाजीराव प्रथम की घुड़सवार प्रतिमा के अनावरण के बाद बोलते हुए, भाजपा नेता ने यह भी कहा कि जब भी वह नकारात्मक विचारों से ग्रस्त होते हैं, तो उन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज और बाजीराव की याद आती है। शाह ने कहा कि एनडीए बाजीराव के स्मारक के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है क्योंकि यह एक ऐसा संस्थान है जहां सैन्य नेतृत्व को प्रशिक्षित किया जाता है। शाह ने कहा कि पुणे की धरती स्वराज के संस्कार का उद्गम स्थान है। 17वीं शताब्दी में यहीं से स्वराज का आलेख देशभर में पहुंचा। जब अंग्रेजों के सामने फिर से स्वराज के लिए लड़ने का समय आया तो सबसे पहले सिंह गर्जना तिलक महाराज ने की 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।' एक व्यक्ति अपने जीवन में अपने देश के लिए कितना कर सकता है, इसका उदाहरण भी महाराष्ट्र की पुण्यभूमि से ही वीर सावरकर जी ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं के प्रमुख जहाँ से अभ्यास करके निकलते हैं, उस नेशनल डिफेंस अकादमी में श्रीमंत बाजीराव की मूर्ति लगने से जो प्रेरणा मिलेगी, उससे भारत की सीमाओं को कोई छू नहीं पाएगा। शाह ने कहा कि युद्ध की कला

के कुछ नियम कभी कालबाह्य नहीं होते...युद्ध में व्यूह रचना का महत्त्व, त्वरा का महत्त्व, समर्पण का भाव, देशभक्ति का भाव और बलिदान का भाव...यही सेनाओं को विजय दिलाते हैं, बस हथियार बदलते रहते हैं...और इन सभी गुणों का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण 500 वर्षों के भारतीय इतिहास में केवल श्रीमंत बाजीराव पेशवा में ही मिलता है। अमित शाह ने कहा कि जब पूरा दक्षिण भारत आदिलशाही, कुतुबशाही, निजामशाही और इमादशाही से पीड़ित था और उत्तर भारत मुगलों के अधीन था... ऐसे समय में एक 12 साल के बालक ने देश को स्वतंत्र कराने और हिन्दवी स्वराज की स्थापना का संकल्प लिया... शिवाजी महाराज जी की यह वीरता अकल्पनीय है। उन्होंने युवाओं के मन में स्वराज के संस्कार भरने का काम किया। शिवाजी महाराज जी के बाद धर्मवीर संभाजी महाराज, वीर ताराबाई, धनोजी-संतोजी — कई सारे लोगों ने शिवाजी महाराज की परंपरा को आगे बढ़ायाशाह ने कहा, ''जब भी मेरे मन में नकारात्मक विचार आते हैं, तो मैं आमतौर पर बाल शिवाजी और पेशवा बाजीराव के बारे में सोचता हूं कि वे प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच 'स्वराज' स्थापित करने में सक्षम रहे।'' शाह ने कहा कि स्वराज की रक्षा करने की जिम्मेदारी अब 140 करोड़ भारतीयों पर है। उन्होंने कहा, ''जब स्वराज की स्थापना के लिए लड़ाई लड़ने का समय आया तो हमने ऐसा किया।

### रक्त संबंध का दावा और डीएनए जांच की पेशकश

उन्होंने दावा किया कि वे बाजीराव पेशवा और मस्तानी के रक्तवंशज हैं और इसके लिए डीएनए जांच कराने को भी तैयार हैं. उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में पुणे में मौजूद बाजीराव पेशवा के वंशज रघुनाथराव को वाराणसी में भासकुटे परिवार से गोद लिया गया था, इसलिए वे स्वयं को असली रक्तवंशज मानते हैं. नवाब ने बताया कि उनके पूर्वज समशेर बहादुर ने 1759 में पानीपत की तीसरी लड़ाई में मराठों की ओर से हिस्सा लिया था, जो उनके वंश के बलिदान और योगदान का प्रमाण है. नवाब शादाब अली बहादुर पेशवा ने स्पष्ट किया कि उन्हें कार्यक्रम से कोई विरोध नहीं है, लेकिन इस मंच का इस्तेमाल ऐतिहासिक सच्चाई को दबाने और अमित शाह को गुमराह करने के लिए किया जा रहा है. शाह एक इतिहास प्रेमी हैं और उन्होंने इस पर पुस्तक भी लिखी है.

## संक्षिप्त समाचार

### मंदिर समिति प्रांगण में अवैध कब्जा, ग्राम पंचायत कौही ने अवैध कब्जा हटाने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बलराम यादव

**पाटन।** ग्राम पंचायत कौही द्वारा ह्यस्तद्व पाटन को ज्ञापन सौंपकर मंदिर समिति परिसर में हुई अवैध कब्जा को हटवाने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि श्रीमती बिसाहिन पाल पति स्व. सीताराम पाल द्वारा हरे रामा हरे कृष्णा गौशाला के सामने मंदिर समिति के प्रांगण में अवैध घर निर्माण कर अतिक्रमण किया गया है। जबकी ये अपने बेटे बहु के साथ सहपरिवार पी.एम. आवास के तहत बने हुए घर पर निवास कर रहे है। इसके बावजुद अवैध घर को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। बिसाहिन के पुत्र राजेश पाल को नोटिस देकर ग्राम पंचायत में बुलाकर समझाने पर स्वेच्छा से लिखित रुप में दिनांक 10/06/2025 को छोड़ने के लिए तैयार हो गया। लेकिन अभी तक उस घर को नही छोड़े है जबकी उन्हें पंचायत के तरफसे इसके अतिरिक्त तीन बार नोटिस दिया जा चुका है। पहला नोटिस दिनांक 16/06/2025, दुसरा नोटिस दिनांक 20/06/2025 को दिया जा चुका है एवं तीसरा नोटिस दिनांक 22/06/2025 को उनके द्वारा नही लेने पर उनके दिवाल पर चस्पा किया गया। मांग किया है कि इस तरह के उसके रवैये को देखते हुए उन पर अतिशीघ्र कार्यवाही होना जरुरी है ग्राम पंचायत ने ह्यस्तद्व से मांग किया है कि 09/07/2025, दिन बुधवार को अतिक्रमण हटाने की कृपा करे।

### कसही नाला का निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे सिंचाई विभाग के अधिकारी, निर्माण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश, निर्माण कार्य की गुणवत्ता पाया गया संतोषजनक

**बलराम यादव/ पाटन।** किसानो की सुविधा प्रदान करने के लिए कसही नाला का पिचिंग और संधारण का कार्य किया जा रहा है। आज सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने कसही नाला में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर संतोष जताते हुए तेजी से कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए गए। बता दे कि कुछ लोगों द्वारा सोशल मीडिया में पहली हो बारिश में निर्माण कार्य की गुणवत्ता को पोल खुली लिखकर मिट्टी और पिचिंग कार्य को दिखाया गया था। लेकिन आज जब अधिकारी मौके पर पहुंचे तो बताया गया कि जो निर्माण कार्य के लिए नाला में रखे गए पत्थर और मिट्टी मुरूम का ही फोटो लेकर शोशल मीडिया में वायरल कर दिया था। जानकारी मिली है कि अभी निर्माण कार्य शुरुआत चरण में है। इसे पूरा होने में समय लगेगा। अभी जगह जगह निर्माण सामग्री रखी गई है। इसी को उखड़ना बताया गया था। जो कि आज मौका निरीक्षण के बाद सच्चाई सामने आया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। बल्कि किसानों की सुविधा को देखते हुए जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करे।

**किसानो ने जताई खुशी**- कसही नाला का संधारण और पिचिंग का कार्य हो जाने से किसानों के खेतों का एक्स्ट्रा पानी जल्दी से बह जाएगा। इसके अलावा जब किसान के खेतों में पानी की जरूरत पड़ेगी तो किसान नाला का पानी लिफ्त करके अपने खेत की की सिंचाई कर सकते है। ग्रामीणों ने बताया कि बाहर कुछ लोग आकर जबरदस्ती निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहा है। जबकि नाला का कार्य बहुत अच्छे से चल रहा है।

### शासकीय उचित मूल्य की दुकान रेहुंटा के संचालन हेतु आवेदन 16 जुलाई तक

**मुंगेली( समय दर्शन )** मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम रेहुंटा में शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालन हेतु ग्राम पंचायत, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां एवं अन्य सहकारी समितियों से 16 जुलाई तक आवेदन मंगाए गए हैं। मुंगेली अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने बताया कि इच्छुक समितियां आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मुंगेली में कार्यालयीन समय पर जमा कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया और पात्रता संबंधी अधिक जानकारी संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

# बिलासपुर संभाग आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित हुआ कलेक्टर कान्फ्रेंस

### राजस्व सहित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तार से हुई समीक्षा, प्रगति लाने दिए निर्देश

**मुंगेली( समय दर्शन )** बिलासपुर संभाग आयुक्त सुनील जैन की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स का कांफ्रेंस आयोजित किया गया। कॉन्फ्रेंस में राजस्व, स्वामित्व योजना, जनदर्शन, लोक सेवा गारंटी मनरेगा, आधार अथेंटिकेशन, एनआरएलएम, अमृत सरोवर योजना, आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री स्कूल जतन, पीएम श्री आदि योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई। स्वामित्व योजना के संदर्भ में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बताया कि तहसीलदारों एवं राजस्व अमलों के माध्यम से स्वामित्व योजना के अंतर्गत मैप वन के शतप्रतिशत सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि सी.एम.जनदर्शन के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का भी गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

संभाग आयुक्त जैन ने कॉन्फ्रेंस में आयुष्मान योजना के प्रगति के संबंध में भी जानकारी ली। कलेक्टर ने बताया कि मुंगेली जिले में पिछले दो महीने में एक लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं और आने वाले कुछ दिनों में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। शैक्षिक प्रगति के संबंध में कलेक्टर ने बताया कि कम परिणाम वाले स्कूलों की लिस्टिंग कर शिक्षा गुणवत्ता बढ़ाने एवं बेहतर परिणाम लाने के लिए कार्य योजना बनाकर कार्य किया जा रहा है और एक्सपर्ट शिक्षकों की भी व्यवस्था की जा रही है। संभाग आयुक्त जैन ने जाति प्रमाण पत्र बनाने, खाद-बीज भंडारण की स्थिति के संदर्भ में भी जानकारी ली। कलेक्टर कुंदन कुमार ने बताया कि संकुलवार प्रधान पाठकों, सचिवों एवं पटवारियों की टीम बनाकर 14 जुलाई से शिविर लगाकर जाति प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिले में खाद-बीज का भंडारण एवं वितरण पर्याप्त मात्रा में किया जा रहा है और यहां पर डीएपी की समस्या नहीं है।

कलेक्टर कुंदन कुमार ने किसानों के पंजीयन बढ़ाने के लिए सभी एस.डी.एम. को पटवारी और आर.ए.ई.ओ. की बैठक लेने के निर्देश दिए और किसानों का पंजीयन बढ़ाने सहकारी समितियों और सीएससी सेंटर में किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं एवं गतिविधियों में जिले की प्रगति कम है, उन्हें चिन्हांकित कर विशेष प्रयास करते हुए बेहतर रैंक लाने के लिए प्रयास करें। उन्होंने पीएमश्री एवं स्कूल जतन योजना के अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों की जानकारी लेते हुए गुणवत्तायुक्त एवं समयबद्ध निर्माण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अपर कलेक्टर श्रीमती मेनका प्रधान, तीनों अनुविभागों के एस.डी.एम. सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

# जिला स्तरीय वृक्षारोपण महाअभियान 05 जुलाई को, उप मुख्यमंत्री साव होंगे शामिल

### 50 हजार हितग्राहियों के आवासों में रोपित होंगे 01 लाख से अधिक पौधे

**मुंगेली( समय दर्शन )** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के अंतर्गत मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम रामपुर लोहड़िया में महात्मा गांधी ऑक्सीजोन परिसर में समय सुबह 11.30 बजे से जिला स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरूण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बताया कि यह अभियान जिले के तीनों विकासखंड लोरमी, मुंगेली और पथरिया में एक साथ संचालित होगा, इस अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत चयनित हितग्राहियों के आवास परिसरों में करीब 01 लाख पौधे रोपित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिले के 50,000 से अधिक आवास हितग्राहियों के यहां 02-02 पौधों के मान से वृक्षारोपण किया जाएगा। यह पहल न केवल पर्यावरण को सहेजने की दिशा में एक ठोस कदम है, बल्कि आमजन को प्रकृति से जुड़ने एवं पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

# धमतरी शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के होटल, रेस्टोरेंट और खाद्य दुकानों का औचक निरीक्षण

### खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने खाद्य परिसरों की सफाई बनाए रखने की दी समझाईश

**ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी /** कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले के धमतरी शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के होटल, रेस्टोरेंट और मिष्ठान भण्डार सहित अन्य खाद्य परिसरों का औचक निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि दल द्वारा धमतरी स्थित हर्ष सुपर मार्ट, दीपक होटल बठेना, दी जिंजर लीफ रूद्री रोड, भैरूनाथ पावभाजी, सेवन स्टॉर रेस्टोरेंट लक्ष्मी निवास, सोनकर चिकन सेंटर, बादशाह एग रोल, यादव चाट सेंटर का निरीक्षण किया गया। इसी तरह सूर्या किराना स्टोर्स कोलियारी, माहेश्वरी राईस इण्डस्ट्रीज कुरूद, दिशा किराना एवं जनरल स्टोर्स भखारा, रामस्वरूप किराना स्टोर्स हंचलपुर, रोशनी प्रोविजन स्टोर्स लोहरसी, स्वाद रेंस्टोरेंट रूद्री, गणेश मोमोस, जय जलाराम दाबेली, रोहित एगरोल, बाम्बे भेज रूद्री का निरीक्षण किया। इस दौरान नमक, बिस्कुट, पनीर, मैदा, चायपत्ती, पका दाल, पनीर की सब्जी, बेसन, साबूदाना व फोर्टिफाइड चावल का विधिक नमूना लेकर जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने यह भी बताया कि दल द्वारा मौके पर फेमस आलूगुण्डा धमतरी और बादशाह एगरोल रूद्री में अखबारी कागज का उपयोग करते पाये जाने पर उसका उपयोग नहीं करने के लिए निर्देशित किया गया। इसी तरह रूद्री रोड स्थित भैरूनाथ पावभाजी सेंटर को मेडिकल फिटनेस बनवाने और गणेश मोमोस सेंटर, जलाराम दाबेली, रोहित एगरोल, बाम्बे भेल एवं गुपचुप सेंटर संचालकों को 7 दिनों के भीतर खाद्य पंजीयन बनवाने के लिए निर्दशित किया गया। इसके साथ ही ग्राहकों को साफ-सफाई युक्त खाद्य परिसरों से ही जांच-परखकर, खाद्य पदार्थों की अवसान तिथि, खाद्य लायसेंस, पंजीयन नंबर देखकर ही पैक्ड खाद्य पदार्थों को खरीदने की अपील की गई।

# महापौर श्रीमती बाघमार के निर्देश निरीक्षण के दौरान पर मन जगह पार्किंग और अवैध कब्जों को देखकर भड़के प्रभारी महापौर नरेंद्र बंजारे, बोले जल्द व्यवस्था दुरुस्त करें

### प्रभारी महापौर व्यवस्थापन के लिए गंजपारा का निरीक्षण करने पहुँचे

**दुर्ग/ समय दर्शन।** नगर पालिक निगम। महापौर श्रीमती अलका बाघमार के दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण में भाग लेने गुरुग्राम,हरियाणा प्रवास पर और महापौर श्रीमती अलका बाघमार के दिशा निर्देश पर प्रभारी महापौर नरेंद्र बंजारे ने एमआईसी सदस्य काशीराम कोसरे,शिव नायक,नीलेश अग्रवाल,बाजार अधिकारी शुभम गोइर के साथ गंजपारा क्षेत्र का जायजा लिया।महापौर श्रीमती बाघमार के निर्देश पर प्रभारी महापौर श्री बंजारे के औचक निरीक्षण के दौरान गंजपारा में मनमानी अव्यवस्था का आलम,क्षेत्र में सड़क किनारे अवैध कब्जों से सामना हुआ।इस दौरान नाराजगी जताते हुए प्रभारी महापौर नरेंद्र बंजारे ने तत्काल अव्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए।उन्होंने दुकानों के बहार सामान ओर कई जगह गुमटी-ठेले मिले, यह देखकर उन्होंने सीमा के अंदर कारोबार करने की हिदायत दी।ताकि आम लोगों को परेशानी न हो।उन्होंने कहा सड़क किनारे रोड को कब्जमुक्ति कराए,ताकि लोगो को आवाजाही में सुविधा हो।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार के निर्देश पर प्रभारी महापौर नरेंद्र बंजारे ने शहर को व्यवस्थित करने और बाजार को और बेहतर ढंग से व्यवस्थित करने के लिए गुमटियाँ बनाने की तैयारी की जा रही है।बात दे कि भारतीय स्टेट बैंक के पीछे गंजपारा क्षेत्र का दौरा कर अतिक्रमण को हटाने के बाद,व्यपारियो को व्यवस्थित करने के लिए गुमटियाँ बनाने की योजना बनाई जा रही है। बीते दिनों निगम प्रशासन द्वारा अतिक्रमण को हटाने के बाद, अब शहर के निगम प्रशासन ने सड़कों को चौड़ा करने और यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए व्यवस्थापन किया है।

प्रभारी महापौर ने बताया की महापौर श्रीमती अलका बाघमार के दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण में भाग लेने गुरुग्राम,हरियाणा प्रवास से आने के बाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बाजार को व्यवस्थित करने के लिए गुमटियाँ बनाने की योजना बनाई जाएगी और जल्द से जल्द व्यवस्थापन किया जाएगा।उन्होंने गंजपारा के लिए लगभग 40 से 50 गुमटियां बनवाने की तैयारी के लिए अधिकारी को निर्देश कर दिया है।

उन्होंने कहा गुमटियाँ व्यापारियों को एक उचित स्थान प्रदान करेंगी, जिससे वे अपने व्यवसाय को व्यवस्थित ढंग से कर सकेंगे।उन्होंने कहा गुमटियाँ शहर के सौंदर्य को भी बढ़ाएंगी।जन संपर्क/राजू बक्शी

# कलेक्टर ने संबलपुर में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति का किया औचक निरीक्षण

### किसानों को समय पर खाद बीज उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

**ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़।** संबलपुर स्थित प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समिति में उपलब्ध खाद, बीज सहित गोदाम की क्षमता की जानकारी ली। समिति प्रबंधक ने बताया कि वर्तमान में सम्बलपुर समिति में डीएपी सहित अन्य जरूरी खाद और बीज मिनीकीट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि समिति द्वारा किसानों को दो करोड़ 37 लाख रूपये का ऋण दिया गया। इस मौके पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अंतर्गत नि:शुल्क अरहर मिनीकिट एवं 50 प्रतिशत अनुदान में कीटनाशक का वितरण किया। इसमें संबलपुर एवं बोडरा के कृषक श्री डोमार देवांगन, श्री राधेलाल, श्री लाकेश साहू ,श्री सोमप्रकाश, श्री शत्रुघ्न साहू श्री गुलाब साहू को अरहर मिनीकिट एवं कीटनाशक का वितरण किया गया। इस अवसर पर संबलपुर के सरपंच, कृषि विभाग से उप संचालक श्री मनोज सागर, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री अभिषेक तिवारी, समिति प्रबंधक श्री जागेश्वर ध्रुव एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबलपुर में संचालित स्कूल संचालन और निर्माण कार्यों की जानकारी ली। गांव के सरपंच ने स्कूल मैदान का समतलीकरण करने की बात कही। कलेक्टर ने खेल मैदान को मनरेगा से समतलीकरण कराने के निर्देश भी उपस्थित अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही रेल्वे को लेकर समस्याओं को भी दूर करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। उन्होंने गांव में पेयजल आपूर्ति, साफ-सफाई आदि की भी जानकारी ली।

**कलेक्टर पहुंचे कृषि विज्ञान केन्द्र** - कृषि विज्ञान केन्द्र संबलपुर के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कृषि विज्ञान केन्द्र में धान की विभिन्न किस्मों, रेशम सहित फसलीय बीजों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने मिट्टी परीक्षण और मखाना की खेती की वस्तुस्थिति की जानकारी ली तथा अधिकारियों को 20-25 एकड़ में मखाना की खेती कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने गंगरेल में धान का म्यूजियम बनाने और उसमें चावल की विभिन्न किस्मों को संग्रहित करने रखने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने राइस प्रोढक्ट को भी रखने कहा।

# कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न

### स्वास्थ्य सेवाओं में प्रगति लाने एवं मरीजों के बेहतर ईलाज के दिए निर्देश

**मुंगेली( समय दर्शन )** जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, योजनाओं के क्रियान्वयन एवं अभियान की प्रगति की समीक्षा हेतु आज कलेक्टर कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने आधार बेस्ड एड्रेसिंग की स्थिति, नेक्स्टजेन पोर्टल के माध्यम से ओपीडी पंजीयन, मेडिकल लीगल एविडेंस एंड पेसेंट रिपोर्टिंग की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मरीजों की सटीक पहचान और सेवाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु आधार आधारित पहचान प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए। उन्होंने अस्पतालों में डिजिटल पंजीयन प्रक्रिया को नियमित और सुलभ बनाने, मरीजों के लिए पर्याप्त बेड की व्यवस्था के साथ ही सभी स्वास्थ्य सूचकांकों पर बेहतर प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गांव, गरीब, गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य उपचार एवं देखभाल पुण्य का कार्य है। अस्पताल आने वाले मरीजों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

कलेक्टर ने कानूनी प्रक्रियाओं से जुड़े मामलों की रिपोर्टिंग एवं दस्तावेजीकरण की गुणवत्ता में सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक प्रमाणीकरण, आयुष्मान भारत योजना, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत जिला अस्पतालों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को एनक्यूएएस मानकों के अनुरूप प्रमाणित कराने की दिशा में की गई प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने एस.डी.एम. को प्रत्येक पखवाड़े में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास की बैठक लेने निर्देशित किया। उन्होंने आयुष्मान कार्ड, आयुष्मान वय वंदना कार्ड के वितरण एवं लाभार्थियों की सेवा उपलब्धता की स्थिति का जानकारी ली और 15 जुलाई तक घर-घर जाकर 01 लाख आयुष्मान कार्ड के लक्ष्य को हासिल करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने टीबी मरीजों की पहचान, उपचार व पोषण सहायता वितरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय सिकल सेल एनिमिया मिशन अंतर्गत सिकल सेल रोग की स्क्रीनिंग, पहचान एवं उपचार की प्रगति, स्टॉप डायरिया अभियान पर चर्चा करते हुए मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु किए गए प्रबंधों की समीक्षा करते हुए दवाओं की उपलब्धता व प्रचार-प्रसार को तेज करने को कहा। उन्होंने गर्भवती महिलाओं एवं नवजातों की देखभाल संबंधी सेवाओं की जानकारी लेते हुए हाई रिस्क प्रेगनेंसी की समय पर पहचान कर माइक्रो प्लान बनाने तथा देखभाल सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया और सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत प्रसव दर को बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत गतिविधियों की स्थिति और बच्चों की स्वास्थ्य जांच, गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं कैंसर जैसी बीमारियों की स्क्रीनिंग व जागरूकता अभियान आदि की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की योजनाएं सीधे जनता से जुड़ी होती हैं, अत: इनका क्रियान्वयन प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी रूप से किया जाए। कलेक्टर ने 0-5 वर्ष के बच्चों में टीकाकरण की स्थिति एवं छूटे हुए बच्चों की सूची तैयार कर विशेष अभियान चलाने, गंभीर कुपोषित बच्चों के लिए पोषण पुनर्वास केंद्रों की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार करने कहा। उन्होंने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान स्कूलों एवं आंगनबाड़ियों के माध्यम से बच्चों को कृमिनाशक दवा दिए जाने की तैयारी की जानकारी ली। कलेक्टर ने स्वास्थ्य अधिकारियों को फील्ड में लगातार निगरानी, योजनाओं का सतत मूल्यांकन और समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गंभीर कुपोषित बच्चों तथा आर.बी.एस. अंतर्गत बच्चों बेहतर ईलाज दिलाने के लिए कार्य करें। कलेक्टर ने जिला अस्पताल के व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी ली और मरीजों के बेहतर इलाज करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शीला साहा, डीपीएम गिरीश कुर्रे, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. एम. के. राय, विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभारी अधिकारी, बीएमओ, सुपरवाईजर्स एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चातुर्मास 9 जुलाई से, जप-तप और आराधना-साधना का चलेगा दौर

# रिमझिम फुहारों के बीच मनीष सागरजी का विवेकानंद नगर में मंगल प्रवेश

**रायपुर ( समय दर्शन )।** चातुर्मास बिताने के लिए उपाध्याय प्रवर मनीष सागरजी महाराज व उनके शिष्यों ने गुरुवार को विवेकानंद नगर में मंगल प्रवेश किया। इसके लिए उन्होंने सुबह 7.30 बजे सदर बाजार जैन मंदिर से विहार किया। साथ में आध्यात्म योगी महेंद्र सागरजी , तीर्थ प्रेम विजय म.सा., साध्वी हंसकीर्ति समेत 10 से ज्यादा श्वेत वस्त्र पहने साधु-साध्वियां थे। आगे पचरंगी पताकाएं, घोड़ा-पालकी और बैंड-बाजे थे। सिर पर कलश लिए महिलाओं के साथ पूरा समाज पीछे चल रहा था। सुबह रिमझिम फुहारों के बीच शाही ठाठ से निकली इस शोभायात्रा की रौनक देखते ही बनती थी?। सदर बाजार से निकली यह शोभायात्रा कोतवाली, महिला थाना चौक से बैरनबाजार होते हुए विवेकानंद नगर की ओर बढ़ी। रास्ते में स्वागत के लिए जगह-जगह समाज के लोग खड़े थे। गुरुजनों के आते ही लकड़ी का पाटा रखकर साबूत चावल की गवली सजाते,

फिर वहां पहले से मौजूद भीड़ उस पर नारियल-पैसों की बारिश कर देती?। स्वागत-सत्कार का यह सिलसिला इतना लंबा चला कि 3 किमी से भी कम सफर तय करने में ही साधु-साध्वियों ढाई घंटे का समय लग गया। विवेकानंद नगर पहुंचने पर संत समुदाय सबसे पहले भगवान संभवनाथ के दर्शन करने जिनालय गए। 15-20 मिनट की विधि पूरी करते हुए देव दर्शन किए। इसके बाद ज्ञान वल्लभ उपाश्रय में विशाल पाटे पर विशाल गवली सजाकर युवा मनीषी एवं उपाध्याय मनीष सागर महाराज का भव्य मंगल प्रवेश कराया गया। इसके बाद धर्मसभा हुई। चातुर्मास समिति, मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों और समाज प्रमुखों ने गुरु भगवंतों द्वारा चातुर्मास की विनती स्वीकार करने पर खुशी जताते हुए उनके प्रति अपने विचार रखे। इनमें चातुर्मास समिति के अध्यक्ष श्याम सुंदर बैदमुथा, कार्यकारी अध्यक्ष पुखराज मुणोत, विजय कांकरिया, पीआर गोलछा, सुपारसचंद गोलछा, सुरेश बरड़िया, नरेश बैदमुथा आदि प्रमुख रहे।

**महिलाओं ने गीतों से की वंदना, बच्चों ने नृत्य में दिखाए संस्कार-** मंगल प्रवेश के खास मौके पर समाज की महिलाओं-पुरुषों और बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। लोढ़ा विंग्स, जागृति बहू मंडल, वल्लभ महिला मंडल ने गीतों से गुरु वंदना की। सुरेश भंसाली ने भी स्वागत में गीत गाए। इसके अलावा विचक्षण विद्यापीठ के बच्चों ने नृत्य में जैन धर्म की संस्कृति और संस्कारों का प्रदर्शन किया। धर्मसभा में बताया गया कि इस बार चातुर्मास के लिए रायपुर पधारे 4 साधु-साध्वियां इसी शहर के हैं। धर्मसभा में मौजूद भीड़ ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनके वीर माता-पिता की अनुमोदना की। 142 उपवास करने वाले बेंगलुरु के तपस्वी राजेश मेहता भी यहां मौजूद थे। पाट पर विराजे गुरुजनों ने उन्हें आशीर्वाद दिया। श्रीसंघ ने भी सम्मान किया।

**जो संस्कार घर में ही मिल जाने चाहिए उसे सीखाकर संत भी थके: महेंद्र सागर** - धर्मसभा में अध्यात्म योगी महेंद्र सागर महाराज ने समाज के मौजूदा ताने-बाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि धर्म के तीन घटक (समाज, संस्कार और संगठन) होते हैं। तीनों में विघटन हो रहा है। मत-पंथ, गच्छ में समाज बंट रहा है। जो संस्कार घर में ही मिल जाने चाहिए, चातुर्मास में आपको वही सब सीखा-समझाकर अब साधु-संत भी थक चुके हैं। मंदिर बनाना आसान है। मंदिर में भक्त लाना बड़ा कठिन है। पहले कम पढ़े लिखे ज्यादा थे। आज ज्यादा पढ़े-लिखे होने के बाद भी समझ कम हो गई है। अपने भीतर जिज्ञासा पैदा करिए। जापान की एक युवती बनारस में मिली थी। इंडियन साइकोलॉजी समझने आई थी?। इसके लिए उसने 24 भारतीय भाषाएं सीखी थी।

## संक्षिप्त समाचार

### आदिवासियों को गाय देगी सरकार

**रायपुर ( समय दर्शन )।** छत्तीसगढ़ सरकार ने आदिवासी परिवारों की महिलाओं को साहीवाल गाय देने का निर्णय लिया है। इस पायलट

प्रोजेक्ट के तहत छह जिलों में सरकार ने 325 आदिवासियों को गाय वितरित करेगी। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के दुग्ध उत्पादन में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। वहीं अब साहीवाल गाय योजना को लेकर पक्ष- विपक्ष के बीच सियासी घमासान तेज हो गया है।

प्रदेश के आदिवासी परिवारों को गाय देने के निर्णय पर अब सियासी पारा चढ़ता हुआ नजर आ रहा है। मामले में कांग्रेस ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा- भाजपा 2003 से गाय देने के नाम पर झूठ बोल रही है। पहले हर आदिवासी को जर्सी गाय देने की बात कही थी अब साहिवाल नस्ल का गाय देने की बात कर रही है। आज तक एक आदिवासी परिवार को गाय नहीं मिला है।

**जनहित के कामों से कांग्रेस को पेट में दर्द होता है - साव-** कांग्रेस के तंज पर अब डिप्टी सीएम अरुण साव का बयान सामने आया है। अरुण साव ने पलटवार करते हुए कहा- जनहित के कामों से कांग्रेस को पेट में दर्द होता है। झूठ की मास्टरी अगर किसी पार्टी में है तो वह कांग्रेस है। जनता अब कांग्रेस के वादों की सच्चाई समझ चुकी है, दोबारा नहीं ठगे जाएंगे।

### युक्तियुक्तकरण से साकार हुई गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की परिकल्पना

**पीएमश्री शाला संबलपुर में शिक्षकों की संख्या में वृद्धि से अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था हुई सुदृढ़**

**रायपुर ( समय दर्शन )।** छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा स्कूलों में आवश्यकता के अनुरूप शिक्षकों की पदस्थापना के उद्देश्य से लागू की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया पूरे प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक सार्थक पहल सिद्ध हो रही है। इसी कड़ी में बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला संबलपुर में भी शिक्षकों की कमी की समस्या दूर हुई है। युक्तियुक्तकरण के माध्यम से इस शाला में दो शिक्षकों की नवीन पदस्थापना से अध्ययन-अध्यापन की गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं, जिससे न केवल विद्यार्थियों एवं पालकों को लाभ हुआ है, बल्कि ग्रामीणों एवं शिक्षा जगत से जुड़े लोगों में भी संतोष एवं प्रसन्नता का वातावरण है।

शाला में युक्तियुक्तकरण से पूर्व कुल तीन शिक्षक पदस्थ थे, जबकि विद्यार्थियों की संख्या 150 से अधिक थी। शिक्षकों की इस कमी के कारण शैक्षणिक गतिविधियों में व्यवधान उत्पन्न हो रहा था। राज्य शासन की पहल से अब शाला में प्रधानपाठक श्रीमती वीणा ठाकुर सहित कुल पांच शिक्षक अनिल दिल्हीवार, राबिन नागवंशी, श्रीमती बंसती टिकेश्वर एवं श्रीमती सुनीता की पदस्थापना हो चुकी है, जिससे कक्षा संचालन में सुगमता आई है तथा विद्यार्थियों को विषयवार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो रही है।

स्थानीय साहित्यकार एवं शिक्षाविद् बिरेन्द्र निरोटी एवं शाला विकास समिति के अध्यक्ष गंगाराम निषाद ने राज्य शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीणजन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा लंबे समय से शिक्षकों की नियुक्ति की मांग की जा रही थी, जो अब पूर्ण हुई है। इससे ग्रामीणों, पालकों और विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति नया उत्साह देखने को मिल रहा है।

राज्य शासन की युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया से शिक्षकविहीन अथवा एकल शिक्षकीय शालाओं में भी अब जरूरत के मुताबिक शिक्षक पदस्थ हुए हैं। यह पहल न केवल शिक्षा के स्तर को सुधारने में सहायक है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

### 5 लाख लंबित आवेदनों का 161 करोड़ के भुगतान का निर्णय

**रायपुर ( समय दर्शन )।** छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की बुधवार को हुई बोर्ड की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वर्ष 2019 से लंबित 5 लाख से ज्यादा आवेदनों के हितग्राहियों को 161 करोड़ से ज्यादा की राशि देने का निर्णय लिया गया है। श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल डॉ राम प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न एजेंडे पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साइकिल सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना, मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना के 5 लाख से अधिक हितग्राहियों के आवेदन विभाग को मिले थे। पूर्व के आवेदनों के हितग्राहियों का 161 करोड़ से अधिक की राशि वितरित नहीं की थी। बुधवार को हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी आवेदनों का जल्द से जल्द परीक्षण कराकर जल्द राशि डीबीटी के माध्यम से भुगतान करने का निर्णय लिया गया। संचालक मंडल की बैठक में मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के क्रियान्वयन के संबंध में चर्चा की गई। वर्तमान में पात्रता रखने वाले मंडल में पंजीकृत निर्माण के स्वयं के भूखंड पर आवास निर्माण/नवीन आवास क्रय हेतु शहरी क्षेत्र में 500 वर्ग फीट एवं ग्रामीण क्षेत्र में 1000 वर्ग फीट क्षेत्रफल अधिकतम भूखंड होने का प्रावधान था, इसे संशोधित करते हुए बोर्ड की बैठक में शहरी क्षेत्र में न्यूनतम 322 वर्ग फीट तथा ग्रामीण क्षेत्रों में न्यूनतम 269 वर्ग फीट क्षेत्रफल भूखंड होने का संशोधन किया गया। मंडल अंतर्गत संचालित पंजीयन योजना आवेदन हेतु मोबाइल नंबर की अनिवार्यता रखी गई है। प्रदेश के कई क्षेत्र के ऐसे हितग्राही जिनके पास मोबइल नहीं है। उन्हें पंजीयन में परेशानी का सामना करना पड़ता था, अब उन्हें मोबाइल नंबर की अनिवार्यता की छुट दी गई है।

# युक्तियुक्तकरण से संबलपुर स्कूल में शिक्षकों की बहाली, पढ़ाई को मिली रफ्तार

**रायपुर ( समय दर्शन )।** प्रदेशभर में शालाओं में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में बालोद जिले के डौंडीलोहारा विकासखंड स्थित पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला संबलपुर में शिक्षकों की वर्षों पुरानी कमी अब दूर हो गई है।

शिक्षकों की पदस्थापना से अब विद्यालय में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था न केवल व्यवस्थित हुई है, बल्कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी प्राप्त हो रही है। युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के अंतर्गत यहां दो नए शिक्षकों की नियुक्ति की गई है, जिससे विद्यालय में अब कुल पांच शिक्षक कार्यरत हैं।

विद्यालय में शिक्षकों की इस बहुप्रतीक्षित नियुक्ति को लेकर शाला विकास समिति, पालकगण और ग्रामीणों ने प्रसन्नता जाहिर की है। साहित्यकार एवं शिक्षाविद बिरेन्द्र निरोटी तथा शाला विकास समिति के अध्यक्ष गंगाराम निषाद ने राज्य शासन की इस पहल की सराहना करते हुए बताया कि विद्यालय में 150 से अधिक विद्यार्थी पंजीकृत हैं, किंतु पूर्व में केवल तीन शिक्षक कार्यरत थे। अब दो अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना से कक्षाएं नियमित और विषयवार संचालित हो रही हैं। विकासखंड शिक्षा अधिकारी हिमांशु मिश्रा ने जानकारी दी कि युक्तियुक्तकरण के तहत विद्यालय में श्रीमती बसंती टिकेश्वर और राबिन नागवंशी की नियुक्ति की गई है। वर्तमान में विद्यालय में प्रधानपाठक श्रीमती वीणा ठाकुर, अनिल दिल्हीवार और श्रीमती सुनीता सहित कुल पाँच शिक्षक शिक्षण कार्य कर रहे हैं।

विद्यालय में शिक्षकों की संख्या बढ़ने से विद्यार्थियों में पढ़ाई को लेकर उत्साह बढ़ा है। पालकों ने बताया कि अब बच्चे घर आकर स्कूल की गतिविधियों के बारे में खुशी से चर्चा करते हैं। शासन की इस पहल से न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति (ड्रॉपआउट) पर भी अंकुश लगने की उम्मीद है। ग्रामीणों ने इस सकारात्मक पहल के लिए मुख्यमंत्री साय और शिक्षा विभाग के प्रति आभार जताया है और विश्वास व्यक्त किया है कि ऐसी योजनाएं शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएंगी।

# पीएम आवास की शत-प्रतिशत पूर्णता के लिए तत्परता से कार्य करें

**तीन पंचायतों के सचिवों को नोटिस**

**रायपुर ( समय दर्शन )।** प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास निर्माण की स्थिति की समीक्षा के लिए आज जिला पंचायत सभाकक्ष रायगढ़ में बैठक आयोजित हुई कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिले के विभिन्न विकासखण्डों के पंचायत सचिवों एवं फील्ड अधिकारियों के कार्य प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जितेन्द्र यादव भी उपस्थित रहे।

आवास निर्माण में कमतर प्रगति वाले तीन पंचायतों के सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, जिनमें ग्राम पंचायत क्रोन्धा (धरमजयगढ़) के सचिव नंदलाल राठिया, ग्राम पंचायत धौराभांठा (तमनार) के सचिव तुलसीराम राठिया और ग्राम पंचायत अमलीडीह (घरघोड़ा) की सचिव शांति बेहरा शामिल हैं।

कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि आवास निर्माण की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने कहा कि स्वीकृत आवासों की शत-प्रतिशत पूर्णता सुनिश्चित करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए सभी फील्ड अधिकारी एवं पंचायत सचिव तत्परता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने नियमित फील्ड निरीक्षण के निर्देश देते हुए व्यक्तिगत प्रगति रिपोर्ट के आधार पर अधिकारियों के काम-काज की समीक्षा की। बैठक के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले तकनीकी सहायकों की सराहना की गई, जिनमें विकासखण्ड खरसिया की डूलिमा चौधरी, प्रियंका देशमुख, धरमजयगढ़ के दिना कुमार रात्रे, तमनार के प्रकाश साव एवं लैलूंगा के श्रवण पैंकरा शामिल हैं। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत श्री यादव ने ग्राम पंचायतवार स्वीकृत एवं जनमन पोर्टल पर दर्ज आवासों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। बैठक में मनरेगा के कार्यक्रम अधिकारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के सब-इंजीनियर, पीएम आवास योजना ग्रामीण के विकासखण्ड समन्वयक एवं तकनीकी सहायक सहित सभी विकासखण्डों के ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

# जिले में उर्वरक उठाव में 16.13 प्रतिशत, कृषि ऋण वितरण में 8.62 प्रतिशत की वृद्धि

**रायपुर ( समय दर्शन )।** राज्य में खरीफ फसल की बुआई शुरू हो चुकी है और किसान पूरी तन्मयता से कृषि कार्यों में जुट गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर राज्य सरकार द्वारा किसानों को खेती के लिए आवश्यक संसाधन जैसे खाद, बीज और ऋण की सुविधाएं प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। इन योजनाओं और सुविधाओं का सकारात्मक असर अब ज़मीनी स्तर पर साफ़ दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लिए गए किसान हितैषी निर्णयों से खेती के प्रति किसानों में नया उत्साह देखा जा रहा है। राज्य में रूपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल की धान की खरीदी ने किसानों के मन में विश्वास और उमंग भर दी है। हाल ही में आयोजित कैबिनेट बैठक में एक और बड़ा निर्णय लिया गया, जिसमें पंजीकृत धान फसल की जगह दलहन, तिलहन, मक्का जैसी वैकल्पिक फसलें लेने वाले किसानों को भी कृषक उन्नति योजना का लाभ देने की घोषणा की

गई। इस निर्णय का किसानों ने खुले दिल से स्वागत किया है और इसे खेती के दायरे को बढ़ाने तथा समृद्धि की दिशा में बड़ा कदम बताया है। सहकारिता विभाग, जिला जशपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष रासायनिक खाद के उठाव में 16.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जून 2024 के अंत तक जहां 7566.100 टन उर्वरकों का वितरण हुआ था, वहीं जून 2025 के अंत तक यह बढ़कर 8786.190 टन हो गया है। इसी तरह अल्पकालिक ऋण वितरण में भी उल्लेखनीय 8.62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष जून अंत तक 34.68 करोड़ रुपये का ऋण किसानों को उपलब्ध कराया गया था, जबकि इस वर्ष यह आंकड़ा बढ़कर 37.67 करोड़ रुपये हो गया है। अर्थात् कुल 2.99 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है। किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से फसल बीजों के वितरण में भी प्रभावशाली 79.55 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। पिछले वर्ष जून तक 1332.21 क्विंटल धान बीज का वितरण हुआ था, जबकि इस वर्ष यह आकड़ा बढ़कर 2392.46 क्विंटल हो गया है। राज्य सरकार के इन ठोस प्रयासों से स्पष्ट है कि किसानों को संसाधनों की कमी के बिना खेती करने का अवसर मिल रहा है और वे नई उम्मीद के साथ बेहतर उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की किसानों के प्रति संवेदनशीलता और दूरदर्शिता के चलते छत्तीसगढ़ में कृषि क्षेत्र न केवल सशक्त हो रहा है, बल्कि आर्थिक प्रगति की ओर भी अग्रसर है।

मुख्यमंत्री साय की इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा

# बस्तर से सरगुजा तक 5000 मोबाइल टावर का लक्ष्य तय

**रायपुर ( समय दर्शन )।** मुख्यमंत्री साय ने गुरुवार को मंत्रालय महानदी भवन में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की गहन समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों, विशेष रूप से बस्तर एवं सरगुजा संभागों में नए मोबाइल टॉवर लगाने तथा फाइबर नेटवर्क लाइन बिछाने जैसे कार्यों में तेजी लाई जाए। आने वाले समय में राज्य में समय सीमा के भीतर चरणबद्ध रूप से 5,000 से अधिक मोबाइल टॉवर लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ई-डिस्ट्रिक्ट 2.0 के माध्यम से वर्तमान में विभिन्न विभागों की 85 ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार करते हुए 250 अन्य ऑफलाइन सेवाओं को भी ऑनलाइन सेवाओं में तब्दील किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि योजनाओं का लाभ लोगों को घर बैठे ही ऑनलाइन प्राप्त होगा, तो इससे समय की बचत होगी तथा कार्यालय आने-जाने

में होने वाला खर्च भी कम होगा। इसके साथ ही टीयर-थ्री के अनुरूप स्टेट डाटा सेंटर को अपग्रेड करने की भी बात कही गई।

मुख्यमंत्री ने बैठक में प्रदेश में विभाग द्वारा संचालित प्रमुख परियोजनाओं— अटल मॉनिटरिंग पोर्टल, नियद नेल्लानार एवं रुड्डु.श्व. सैचुरेशन डैशबोर्ड, भारतनेट फेस-2, छत्तीसगढ़ स्टेट डाटा सेंटर (ष्टत्तस्ष्ठष्ट), आधार एनरोलमेंट इन-हाउस मॉडल, ई-डिस्ट्रिक्ट 2.0, सीजी स्वान, ई-प्रोक्योरमेंट तथा कैपेसिटी बिल्डिंग सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक ने विगत सवा साल में विभाग द्वारा अर्जित महत्वपूर्ण उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि विगत 4 वर्षों से लंबित डाटा सेंटर के अपग्रेडेशन की निविदा प्रक्रिया पूर्ण की गई, खनिज 2.0 पोर्टल का गो लाइव किया गया, वाई-फाई मंत्रालय योजना तथा ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल सफलतापूर्वक शुरू हुए। इसके साथ ही भारतनेट फेज-2 परियोजना का प्रस्ताव भारत सरकार को प्रेषित किया गया एवं अटल मॉनिटरिंग पोर्टल डैशबोर्ड का निर्माण कर 19 विभागों की 100 योजनाओं के चक्क्षु इसमें प्रदर्शित किए गए हैं। इस बैठक में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभात मलिक सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# संपादकीय

## ट्रंप को नोबेल नामित

पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम की सिफारिश नोबेल शांति पुरस्कार-2026 के लिए की है। हालांकि ट्रंप ने कहा है कि वह कुछ भी कर लें उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। ट्रंप पिछले दिनों भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद के बाद कई दफा दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ही दोनों पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष रुकवाया था। हालांकि भारत सरकार ने उनके इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। पिछले दिनों ट्रंप ने पाकिस्तान के कथित फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को दावत पर बुलाया था और उसके तीन दिन बाद ही शनिवार को पाकिस्तान सरकार ने कहा कि भारत के साथ संघर्ष में ट्रंप का हस्तक्षेप एक वास्तविक शांतिदूत के रूप में उनकी भूमिका और बातचीत के माध्यम से संघर्ष समाधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ट्रंप ने हाल के समय में कई जगहों पर संघर्षरत देशों के बीच संघर्ष समाप्त करने में पहल की बातें कही हैं। रूस-यूक्रेन के बीच काफी समय से चले आ रहे युद्ध को रुकवाने की भी कोशिश की। यूक्रेन के राष्ट्रपति को बुला कर झिड़का भी, लेकिन युद्ध अभी तक थमा नहीं है। ट्रंप ने कहा कि वह कांगो और रवांडा के बीच संघर्ष को रोकने लिए अद्भुत संधि करा रहे हैं। ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार की लालसा को अरसे से अपने दिल में पाले हुए हैं, लेकिन वैश्विक घटनाक्रम के मद्देनजर उनकी लालसा पूरी होती दिखलाई नहीं पड़ रही। बीते चौबीस घंटे का घटनाक्रम तो एकदम से उनकी इच्छा पर कड़ा आघात करने वाला रहा। अमेरिका ने युद्धरत ईरान और इजरायल के बीच तनाव को कम करने की बात तो कही, मगर रविवार तड़के इजरायल की तरफ से ईरान पर बम डाल कर ईरान के तीन सामरिक ठिकाने नष्ट कर दिए। इस हरकत को युद्ध रुकवाने का कार्य तो नहीं ही कहा जा सकता। शांति तो वार्ता की टेबल पर होती है, लेकिन हमलावर होकर एक पक्ष का साथ देते हुए दूसरे पक्ष को शस्त्रविहीन कर देना शांति स्थापना करार नहीं दिया जा सकता। वैसे भी पाकिस्तान ने भले ही शांति के नोबेल के लिए ट्रंप को नामित करने की बात कही है, लेकिन उसके अपने देश में ही इसका तीव्र विरोध शुरू हो गया है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की राजदूत रह चुकीं मलीहा लोधी ने एक्स पर लिखा है कि ट्रंप को नोबेल नामित करने संबंधी सरकार का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है।

## बोइंग की कार्यक्षमता पर उठते सवाल

**विनीत नारायण**

अहमदाबाद में हुई भयानक विमान दुर्घटना के बाद भारत सरकार ने दुर्घटना की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित की है, और विमान निर्माण कंपनी बोइंग ने भी सहयोग की पेशकश की है। बोइंग रसूखदार कंपनी है। बावजूद इसके बोइंग की कार्यक्षमता पर सवाल उठते रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक फिल्म वायरल हो रही है कि बोइंग कंपनी के ही एक इंजीनियर जॉन बार्नेट, जिन्होंने बोइंग की अंदरूनी क्षमताओं पर महत्त्वपूर्ण सवाल उठाए थे, 2024 में रहस्यमय परिस्थितियों में बोइंग कंपनी की ही कार पार्किंग में मृत पाए गए थे। जब किसी विमान दुर्घटना में पायलट भी मारे जाते हैं, तो चलन है कि पावरफुल लॉबी सांठ-गांठ करके जांच का रुख इस तरह मोड़ देती हैं कि दुर्घटना के लिए पायलट को ही जिम्मेदार ठहराया जाता है क्योंकि वो अपना पक्ष रखने के लिए अब जीवित नहीं होता। इसलिए जरूरी है कि जांच एजेंसियां इस दुर्घटना की ईमानदारी से जांच करें। दुनिया भर में लाखों लोग बोइंग कंपनी के विमानों में रोज उड़ रहे हैं। उनकी सुरक्षा के हित में भी यह जरूरी है। बोइंग अपने विरु द्ध अक्सर लगाए जाने वाले आरोपों का स्पष्ट जवाब दे और यदि निर्माण प्रक्रिया में खामियां हैं, तो उन्हें अविलंब सुधारे। 12 जून, 2025 को अहमदाबाद में हुई भयानक विमान दुर्घटना में जीवित बचे विश्वास कुमार रमेश ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। एयर इंडिया की फ्लाइट 1171 के दुखद हादसे में 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में से 241 की मौत हो गई और केवल एक यात्री, विश्वास कुमार रमेश जीवित बचे। यह घटना विमान दुर्घटनाओं में एकमात्र बचे लोगों की उन असाधारण कहानियों में से एक है, जो न केवल चमत्कार को दर्शाती हैं, बल्कि मानव की जीवटता और भाग्य की अनिश्चितता को भी उजागर करती हैं। विश्वास कुमार रमेश, 40 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक हैं, जो भारतीय मूल के हैं। उस दिन सीट नंबर 11ए पर बैठे थे, जो एक आपातकालीन निकास द्वार के पास थी। हादसे के तुरंत बाद विश्वास ने भारतीय मीडिया को बताया, 'मैं नहीं समझ पा रहा कि मैं कैसे बच गया। सब कुछ मेरी आंखों के सामने हुआ। मैंने सोचा कि मैं भी मर जाऊंगा लेकिन जब मैंने आंखें खोलीं तो खुद को जिंदा पाया।' उन्होंने बताया कि उनकी सीट के पास का हिस्सा जमीन पर गिरा और आपातकालीन निकास द्वार टूट गया था, जिसके कारण वे बाहर निकल पाए। विमान दुर्घटनाओं में एकमात्र बचे लोगों की कहानियां बेहद दुर्लभ हैं, लेकिन ये मानव की जीवटता और कभी-कभी भाग्य के खेल को दर्शाती हैं। इतिहास में कुछ ऐसी घटनाएं दर्ज हैं, जिनमें एकमात्र व्यक्ति ही जीवित बचा। जूलियन कोएपके 17 साल की जर्मन लड़की थीं जो 1971 में पेरू के अमेजन जंगल में लांसा फ्लाइट 508 की दुर्घटना में एकमात्र जीवित बची थीं। विमान 10,000 फीट की ऊंचाई से गिरा और जूलियन अपनी सीट से बंधी हुई जंगल में जा गिरीं। गंभीर चोटों के बावजूद वह 11 दिनों तक जंगल में भटकती रहीं और अंतत: मदद मिलने पर बच गई। उनकी कहानी साहस और जीवित रहने की इच्छाशक्ति का प्रतीक बन गई। वेस्ना वुलोविच, सर्बियाई फ्लाइट अटेंडेंट थीं जो 1972 में फ्लाइट 367 के मध्य हवा में हुए विस्फोट के बाद एकमात्र जिंदा बची थीं। वह 33,000 फीट की ऊंचाई से गिरने के बावजूद जीवित रहीं जो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। वेस्ना को गंभीर चोटें आई थीं, लेकिन वह ठीक हो गई और बाद में अपनी कहानी साझा की। चार साल की सेसिलिया सिचन 1987 में नॉर्थवेस्ट एयरलाइंस फ्लाइट 255 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद एकमात्र जिंदा बची थी। यह विमान मिशिगन में दुर्घटनाग्रस्त हुआ जिसमें 154 यात्री और चालक दल के सदस्य मारे गए। सेसिलिया को मलबे में दबा हुआ पाया गया और उसकी जान बचाने के लिए व्यापक उपचार किया गया।

# तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाईलामा का उत्तराधिकारी कौन होगा, इसमें दुनिया को मंजूर नहीं है चीनी दखल!

**कमलेश पांडे**

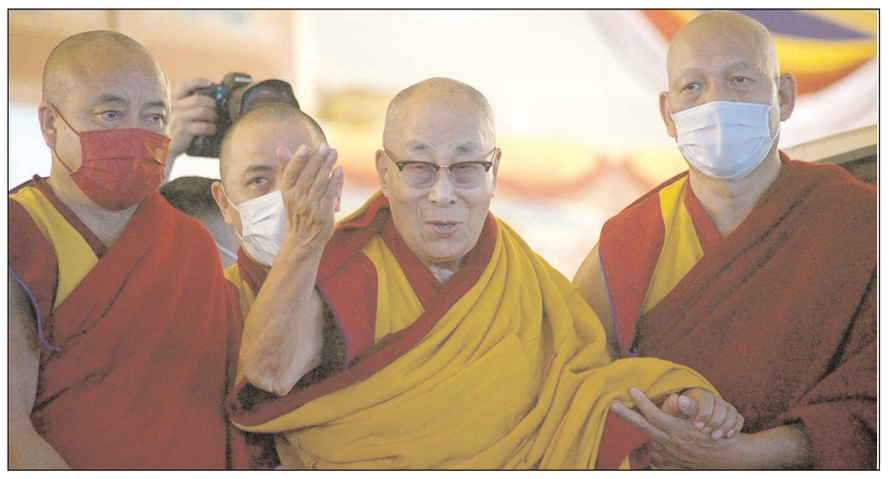

चीन ने पहले भारतीय भूभाग रहे स्वायत्त प्रदेश तिब्बत पर अवैध कब्जा किया और अब वह चाहता है कि तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाईलामा का भावी उत्तराधिकारी कौन होगा, यह फैसला भी रिपब्लिक ऑफ चाइना की सहमति और स्वीकृति से ही तय हो। लेकिन मौजूदा दलाईलामा, भारत और अमेरिका के अलावा बहुतेरे देशों को दलाईलामा के चयन में चीनी दखल मंजूर नहीं है। इसके पीछे उसका दुस्साहसी नेतृत्व भी जिम्मेदार है जो शुरू से ही तिब्बतियों के जनाधिकार को, मानवाधिकार को कुचलता आया है।

यही वजह है कि आए दिन बदलते भूराजनीतिक समीकरणों के बीच दलाईलामा के उत्तराधिकार के मसले पर भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसे में सवाल उठता है कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुने जाने का इतिहास क्या है? आखिर मौजूदा दलाई लामा को कैसे चुना गया था? वहीं, अब अगले दलाई लामा को चुने जाने की प्रक्रिया क्या हो सकती है? इसमें चीन की क्या आपत्तियां हैं? भारत और अमेरिका की अगले दलाई लामा को चुनने में क्या भूमिका हो सकती है? उल्लेखनीय है कि दलाई लामा 1959 से भारत में निर्वासन में रह रहे हैं। जब चीन के शासन के खिलाफविद्रोह हुआ था तो वह वहां से भारत आ गए थे। दरअसल, दलाई लामा को दुनिया भर में अहिंसा, करुणा और तिब्बती लोगों की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान की रक्षा के संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखा जाता है जबकि बीजिंग उन्हें अलगाववादी बताता है। इसलिए दलाई लामा के उत्तराधिकार को लेकर दुनिया भर में हलचल है। खुद तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने पुष्टि की है कि उनके उत्तराधिकारी का चयन होगा। इसी के साथ यह तय हो गया है कि सैकड़ों वर्षों से चली आ रही तिब्बती बौद्धों की सर्वोच्च धर्मगुरु को चुनने की परंपरा आगे भी जारी रहेगी और भविष्य में नए दलाई लामा के नाम का एलान होगा।

मौजूदा दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो उर्फ ल्हामा थोंडुप के कार्यालय ने उनके हवाले सेवगत बुधवार को जारी एक बयान में कहा था, 'भविष्य के दलाई लामा को मान्यता देने की प्रक्रिया 24 सितम्बर 2011 के बयान में स्पष्ट रूप से स्थापित की गई है। इसमें कहा गया है कि ऐसा करने की जिम्मेदारी केवल गादेन फोडरंग ट्रस्ट के सदस्यों पर होगी।' जबकि परंपरागत रूप से दलाई लामा का चयन वर्तमान लामा की मृत्यु के बाद पुनर्जन्म के सिद्धांत के आधार पर होता है। दरअसल, दलाई लामा के इस बयान के सामने आने के बाद से ही चीन से लेकर भारत और अमेरिका तक हलचल मच गई है। यह बयान देकर दलाई लामा ने इस अनिश्चितता को समाप्त कर दिया कि उनके बाद उनका कोई उत्तराधिकारी होगा या नहीं। हालांकि, अपने बयान से दलाई लामा ने चीन के साथ नए सिरे से टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। दरअसल, उनका कहना है कि उनका उत्तराधिकारी चीन के बाहर पैदा होगा और अगर बीजिंग में उनके उत्तराधिकारी के चयन की कोशिश की जाती है तो उस व्यक्ति को अस्वीकार किया जाए। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार बताते हैं कि इसमें कुछ भी अप्रत्याशित नहीं है, क्योंकि भारत शुरू से ही तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। यही वजह है कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए एक सख्त संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर अब उसकी मनमानी नहीं चलेगी। उनके बयानों से स्पष्ट है कि यह 1962 का भारत नहीं है, बल्कि 2025 तक वह कई मामलों में चीन का मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरा है। मौजूदा नौबत इसलिए आई कि 14वें दलाई लामा ने अपने वर्तमान पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गादेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। साथ ही उन्होंने कहा भी है कि अगले दलाई लामा के चुनाव के मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। इसका मतलब साफहै कि उनका इशारा चीन की ओर था। यही वजह है कि रिजिजू ने भी उनकी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन का इस बारे में कहना है कि दलाईलामा के उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। भारत शुरू से ही दलाई लामा के साथ है, क्योंकि उनकी ताकत बहुत ज्यादा है। देखा जाए तो तिब्बत के लिए दलाई लामा केवल धार्मिक गुरु नहीं हैं, बल्कि वह उसकी सांस्कृतिक पहचान, उसके वजूद और उसके ताकत के केंद्र हैं। यही वजह है कि साल 1959 में जब उन्हें कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं। अब भले ही चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर, लेकिन गुजश्ते वक्त के साथ बदला हुआ भारत प्रारंभ से ही तिब्बत के साथ है। ऐसे में यदि तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा और भारत के बीच का अटूट विश्वास। साम्राज्य वादी चीन भी इसे समझता है और इसी वजह से वह इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है, ताकि उसके कथित आंतरिक मामले में भारत की दाल ज्यादा नहीं गल सके।

बदलते वैश्विक परिवेश में दलाईलामा के विचारों का भू-राजनीतिक असर स्वाभाविक है। ऐसा इसलिए कि चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। इसी कड़ी में दलाई लामा के पद पर दावा उसकी ओर से ऐसी ही एक और अदद कोशिश भर है। उसकी वजह से ही यह मामला धर्म से आगे बढ़कर जियो-पॉलिटिक्स का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। वहीं, भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। लेकिन दुनिया के सबसे ऊंचे पठार और उसपर अवस्थित संसार के सबसे ऊंचे युद्ध स्थल से जुड़े सामरिक दृष्टिकोण को भारत भला कैसे विस्मृत कर सकता है। वो भी तब जब 1962 में आमने-सामने की लड़ाई के बाद लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, नेपाल, भूटान और अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर जब तब दोनों देशों के बीच चूहे-बिल्ली का खेल चलता आया हो। इतना ही नहीं, भारत के पड़ोसी देशों में बढ़ते चीनी दखल और उसके पाकिस्तान-बंगलादेश प्रेम के मद्देनजर तिब्बत प्रसंग भारत के लिए भी चीन पर दबाव डालने का मौका है। सच कहा जाए तो चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है। नई दिल्ली-पेइचिंग के बीच गहरे तनाव का एक कारण यह भी है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी जब तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन इसमें भारत के लिए मौका भी है। क्योंकि वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह पर अमेरिकी इशारे पर भारत की राह में रोड़े अटकाने में लगा है।

उल्लेखनीय है कि दलाई लामा का उत्तराधिकार केवल धार्मिक नहीं, बल्कि वैश्विक भू-राजनीति का एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। 1951 में तिब्बत पर चीन के कब्जे के बाद से, बीजिंग ने तिब्बती बौद्ध धर्म को नियंत्रित करने का प्रयास किया है। 1995 में, जब दलाई लामा ने गेधुन चोएक्यी न्यिमा को 11वें पंचेन लामा (तिब्बती बौद्धों के दूसरे सर्वोच्च धर्मगुरु) के रूप में मान्यता दी, तो चीन ने उस बच्चे को हिरासत में ले लिया, जिसका ठिकाना आज तक अज्ञात है। इसके बजाय, चीन ने अपने चुने हुए पंचेन लामा को स्थापित किया, जिसे तिब्बती समुदाय ने अस्वीकार कर दिया। इसलिए भारत और अमेरिका दोनों के लिए दलाई लामा के उत्तराधिकारी का मुद्दा अहम है। भारत के लिए इसलिए कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग की कमान में चीनी सेना लंबे समय तक तिब्बत पर कब्जे की कोशिश में जुटी रही। इसके खिलाफजब दलाई लामा के नेतृत्व में तिब्बती बौद्धों ने आवाज उठाई तो चीनी सेना ने इसे बर्बरता से कुचल दिया। इसके बाद 1959 में चीन के तिब्बत पर कब्जा करने के बाद दलाई लामा तिब्बतियों के एक बड़े समूह के साथ भारत आ गए और यहां से ही तिब्बत की निर्वासित सरकार का संचालन करने लगे। तब तिब्बत में घटी इस घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। तब से दलाई लामा ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला को अपना घर बना लिया, जिससे बीजिंग नाराज हो गया और वहां उनकी उपस्थिति चीन और भारत के बीच विवाद का विषय बनी रही। भारत में इस वक्त करीब 1 लाख से ज्यादा तिब्बती बौद्ध रहते हैं, जिन्हें पूरे देश में पढ़ाई और काम की स्वतंत्रता है। दलाई लामा को भारत में भी काफी सम्मान दिया जाता है। वहीं, अमेरिका के लिए भी तिब्बती धर्मगुरु के चयन का मुद्दा काफी अहम है। कहा जाता है कि दूसरे विश्व युद्ध के अंत के बाद जब शीत युद्ध अपने शुरुआती चरण में था, तब अमेरिका की विदेश मामलों की खुफिया एजेंसी- सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) ने चीनी कब्जे के खिलाफ तिब्बत के प्रतिरोध में सहायता की थी। दलाई लामा के तिब्बत छोड़ने और भारत में बसने के बावजूद अमेरिका ने निर्वासित तिब्बती सरकार की मदद नहीं छोड़ी है। अमेरिका में तिब्बती बौद्धों की धार्मिक स्वायत्तता को लेकर डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी दोनों ही मुखर रही हैं। इतना ही नहीं अमेरिकी सरकार अगले दलाई लामा के चयन में चीन के दखल को भी अमान्य करार देती आई है। इसका एक उदाहरण 2015 में देखने को मिला था, जब चीन ने अगले दलाई लामा को चुनने के लिए अधिकार होने की बात कही थी। तब अमेरिकी अधिकारियों ने सार्वजनिक तौर पर इसे नकारा था और कहा था कि तिब्बती बौद्ध खुद इसका फैसला कर सकते हैं। अमेरिका की तरफ से तिब्बती बौद्धों और दलाई लामा के समर्थन में सबसे बड़ा फैसला 2020 में आया, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने तिब्बत नीति और समर्थन कानून (टीपीएसए) को संसद से पारित करवाया था। अपने इस कदम से अमेरिका ने यह तय कर दिया कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी तिब्बत के बौद्धों द्वारा ही चुना जाएगा और इस मामले में चीन के अधिकारियों के दखल को मान्यता नहीं मिलेगी।

**दलाईलामा के इतिहास और चयन प्रक्रिया को ऐसे समझिए-** जहां तक दलाई लामा के समग्र इतिहास की बात है तो दलाई लामा, तिब्बती बौद्ध धर्म के गेलुग संप्रदाय के सर्वोच्च नेता, करुणा के बोधिसत्त्व अवलोकितेश्वर के अवतार माने जाते हैं। यह उपाधि पहली बार 1578 में मंगोल शासक अल्तान खान की तरफसे सोनम ग्यात्सो को दी गई थी। वे तीसरे दलाई लामा के तौर पर जाने गए। इस लिहाज से तिब्बती बौद्धों के पिछले दो धर्मगुरु-गेंदुन द्रब को पहले दलाई लामा और गेदुन ग्यात्सो को दूसरे दलाई लामा के तौर पर स्वीकार किया जाता है। तिब्बती बौद्धों के बीच दलाई लामा सर्वोच्च आध्यात्मिक शक्ति माने जाते हैं। उन्हें तिब्बती पहचान का परिचायक माना जाता है। तिब्बती बौद्धों का मानना है कि हर दलाई लामा में अपने पूर्ववर्ती की आत्मा होती है, वे प्रबुद्धों पूर्वजों का ही पुनर्जन्म होते हैं।

बताया जाता है कि 17वीं शताब्दी में पांचवें दलाई लामा ने गदेन फोडरांग सरकार के माध्यम से तिब्बत में आध्यात्मिक और राजनीतिक सत्ता स्थापित की। तिब्बत में दलाई लामा की यह सत्ता 1951 तक जारी रही। हालांकि, बाद में चीन ने तिब्बत पर कब्जा कर लिया और 14वें दलाई लामा भारत आ गए। सवाल है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी के चयन की प्रक्रिया क्या है और वह कितनी आध्यात्मिक व न्यायसंगत है? जवाब होगा कि तिब्बती बौद्ध परंपरा में दलाई लामा का चयन पुनर्जन्म के सिद्धांत पर आधारित है। मान्यताओं के अनुसार, वर्तमान दलाई लामा के देहांत के बाद उनकी आत्मा एक नवजात शिशु में पुनर्जन्म लेती है। पिछले दलाई लामा के निधन के बाद एक शोक का समय होता है। इसके बाद अगले दलाई लामा की खोज वरिष्ठ लामाओं द्वारा संकेतों, सपनों, और भविष्यवाणियों के माध्यम से होती है। दलाई लामा के अंतिम संस्कार के दौरान उनकी चिता से निकलने वाले धुएं की दिशा, मृत्यु के समय वे जिस दिशा में देख रहे थे वो स्थिति भी अगले दलाई लामा की खोज में मददगार होती है। इस प्रक्रिया में कई बार वर्षों लग जाते हैं। एक से ज्यादा बच्चों में भी मौजूदा लामा के बताए हुए लक्षण दिख सकते हैं। हालांकि, संभावित बच्चे के मिलने के बाद उसकी पुनर्जन्म के तौर पर पहचान करने के लिए उसे पूर्ववर्ती दलाई लामा की वस्तुओं, जैसे माला या छड़ी को पहचानने की परीक्षा ली जाती है। अगर संभावित बच्चा इसमें सफल रहता है तो उसे बौद्ध धर्म, तिब्बती संस्कृति, और दर्शन की गहन शिक्षा दी जाती है। अब तक जितने भी दलाई लामा हुए, उनमें से सिर्फ एक का जन्म मंगोलिया में हुआ और एक का जन्म पूर्वोत्तर भारत में हुआ था। इसके अलावा बाकी दलाई लामा को तिब्बत में ही ढूंढा गया था।

# भविष्य के युद्धों के लिए तैयार होती भारतीय सेना

**मृत्युंजय दीक्षित**

वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद से ही भारत अपनी सेनाओं को आत्मनिर्भर, स्वदेशी तकनीक से समृद्ध, सुदृढ़ व सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। भारतीय सेना को भविष्य की रक्षा चुनौतियों लिए इस प्रकार तैयार किया जा रहा है कि भूमि से लेकर वायु और समुद्र की गहराई से लेकर अंतरिक्ष की ऊंचाईयों तक अपनी सुरक्षा के लिए किसी अन्य पर निर्भर न रहना पड़े। आज अति आधुनिक ड्रोन से लेकर अविश्वसनीय मारक क्षमता वाली मिसाइलों तक का निर्माण भारत में किया जा रहा है।

विगत दिनों ईरान-इजराइल के मध्य संघर्ष के बीच ईरान के शक्तिशाली व मजबूत परमाणु संयंत्रो को नष्ट करने की क्षमता न होने के कारण इजराइल को भी अमेरिका की शरण में जाना पड़ा था। ऐसी ही परिस्थतियों से बचने के लिए भारत अब बंकर ब्लस्टर बम बनाने की दिशा में भी अग्रसर है। वर्तमान समय में कुछ ही राष्ट्रों के पास बंकर ब्लस्टर जैसी सुविधा उपलब्ध है और जब भारत भी उस श्रेणी में आ जाएगा। जब भारत का यह स्वदेशी बंकर ब्लस्टर बम बनकर तैयार हो जाएगा तब हमारी अग्नि-5 मिसाइल दुश्मन के मजबूत ठिकानों और तहखानों को मिनटों में ध्वस्त करक वापस चली आएगी।

भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं संगठन अग्नि 5 मिसाइल के दो नये एडवांस प्रारूप विकसित कर रहा है जिसमें प्रथम प्रारूप बंकर ब्लस्टर वॉरहेड या विस्फोटक ले जाने वाला होगा जो जमीन के भीतर 80 से 100 मीटर तक जाकर दुश्मन के ठिकानों को ध्वस्त करेगा जबकि दूसरा प्रारूप विस्फोटक ले जाने वाला होगा। ये दोनों ही प्रारूप दुश्मन के डिफेंस सिस्टम, न्यूक्लियर सिस्टम, रडार सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और हथियार डिपो को ध्वस्त करके वापस लौट आएंगे। अग्नि -5 बंकर ब्लस्टर मिसाइल जमीन, सड़क और मोबाइल लांचर से दागी जाएगी। अग्नि-5 भारत की एक ऐसी मिसाइल है जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक निशाना लगा सकती है। इसकी रेंज 5 से 7 हजार किमी तक हैं ये परमाणु हथियार भी ले जा सकती है। भारत का बंकर ब्लस्टर बम अमेरिकी बम से भी अधिक क्षमतावान बनाया जा रहा है।भारत की बंकर ब्लस्टर मिसाइल अमेरिकी बम से अधिक गहराई तक निशाना लगा सकती है। भारत को चीन और पाकिस्तान से पैदा हुए खतरे को देखते हुए ही इस प्रकार की मिसाइल का निर्माण किया जा रहा है। भारतीय नौसेना को मिला तमाल- इसी प्रकार ब्रहमोस मिसाइलों से लैस अब तक का सबसे घातक आधुनिक स्टील्थ युद्धपोत आईएनएस तमाल अब भारतीय नौसेना में शामिल हो गया है जिसके कारण अब समुद्र में भी भारत की ताकत बढ़ गई है। इस बहुददेशीय अतिआधुनिक युद्धपोत का जलावतरण रूस के केलिनिनग्राद में हुआ। नौसेना के पश्चिमी बेड़े में शामिल यह युद्धपोत हिंद सागर में तैनात होगा और पाकिस्तान से लगती सीमा पर निगरानी में भारत की सबसे बड़ी ताकत बन जायेगा। तमाल युद्धपोत विगत दो दशकों में रूस से प्राप्त क्रियाक श्रेणी के युद्धपोतों की श्रृंखला में आठवां युद्धपोत है। यह पूर्ववर्ती संस्करणों की तुलना में अधिक उन्नत है। इसमें लंबवत प्रक्षेपित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें उन्नत 100 मिलीमी की तोप, मानक 30 मिलीमीटर गन क्लोज -इन हथियार प्रणाली के अलावा आधुनिक समय की प्रणाली अत्यधिक भार वाले टारपीडो तत्काल हमला करने वाले पनडुब्बी रोधी, रॉकेट और अनेक निगरानी एवं अग्नि नियंत्रण रडार तथा अन्य प्रणालियां शामिल हैं।

युद्धपोत का नाम तमाल देवताओं के राजा इंद्र की पौराणिक तलवार से लिया गया है। इसकी मारक क्षमता भी उसी तरह तेज, आक्रामक और निर्णायक है। इसका शुभंकर भारतीय पौराणिक कथाओं के अमर भालू जाम्बवंत और रूसी राष्ट्रीय पशु यूरेशियन भूरे भालू की समानता से प्रेरित है। तमाल युद्धपोत का निर्माण रूस के कैलिनिनग्राद स्थित यांतर शिपयार्ड में हुआ है और इसमें 26 प्रतिशत स्वदेशी उपकरण हैं। सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह आखिरी युद्धपोत है जो विदेश में बना है अब ऐसा कोई भी युद्धपोत भारत में ही बनेगा जिसके बाद भारत की नौसेना की शक्ति और बढ़ जाएगी। इस युद्धपोत के कुशल संचालन व रखरखाव के लिए 250 नौसेना कर्मियों ने रूस में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। यह बहु मिशन युद्धपोत भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारंपरिक और गैर पारंपरिक दोनों तरह के खतरों से निपटने में सक्षम है।

भारत की नोसेना को एक और स्वदेशी युद्धपोत उदयगिरि का उपहार भी मिला है। इस युद्धपोत में सुपरसोनिक सतह से सतह से मार करने वाली प्रणाली लगी है। इसमें 76 मिमी गन, 30 मिमी और 12.7 मिमी की रैपिड फायर गन सहित डीजल इंजन और गैस टर्बाइन युक्त सीओडीजी प्रणाली है। इस 3900 टन वजनी और 125 मीटर लंबे युद्धपोत में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें लैस हैं। यह देनों ही युद्धपोत भारत की समुद्री सीमा की सुरक्षा में प्रमुख भूमिका निभाने वाले हैं।

## बारिश के मौसम में रोज खाएं 1 चम्मच शहद

**शहद गुणों की खान होता है। इसका इस्तेमाल कई तरीकों से किया जाता है। क्या आप जानती हैं कि अगर मानसून में आप रोज एक चम्मच शहद खाएंगी, तो इससे आपको अनगिनत फायदे मिल सकते हैं।**

मानसून में कई बीमारियों का खतरा रहता है। बदलते मौसम के बीच, बुखार, जुकाम, सिरदर्द, जोड़ों का दर्द और डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें काफी आम रहती हैं। ऐसे में सेहतमंद रहने के लिए डाइट पर खास ध्यान देना चाहिए। बारिश में सही खान-पान बहुत जरूरी है ताकि इम्यूनिटी मजबूत बनी रहे। जहां इम्यूनिटी कमजोर होने पर बीमारियां जल्दी घेर लेती हैं। वहीं, इम्यूनिटी मजबूत होने पर इंफेक्शन्स का खतरा कम रहता है। सेहतमंद रहने के लिए, बारिश में डाइट में कई खास चीजों को शामिल करना चाहिए। आयुर्वेद मानसून में रोज 1 चम्मच शहद खाने की सलाह देता है। जी हां, अगर मानसून में आप रोज एक चम्मच शहद खाएंगी, तो इससे आपको अनगिनत फायदे मिल सकते हैं। इसे खाने का सही तरीका और इसके फायदों के बारे में आयुर्वेदिक डॉक्टर से जानते हैं।

### बारिश के मौसम में शहद खाने के फायदे

- शहद का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और कई बीमारियों से बचाव होता है।
- इससे सर्दी-खांसी और जुकाम से बचाव में भी मदद मिलती है।
- शहद में प्रीबायोटिक गुण होते हैं। रोजाना 1 चम्मच शहद खाने से मानसून में होने वाली पाचन संबंधी दिक्कतों में आराम मिलता है।
- अगर आप वजन कम करना चाहती हैं, तो भी शहद का सेवन पायदेमंद रहता है।
- शहद में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह मौसमी बीमारियों और इंफेक्शन्स को दूर करता है।
- रोजाना 1 चम्मच शहद खाने से कमजोरी दूर होती है और शरीर को ताकत मिलती है।

### शहद खाने का सही तरीका

- शहद को आप मानसून में कई तरीकों से डाइट में शामिल कर सकती हैं।
- वजन कम करने के लिए 1 चम्मच शहद को पानी में मिलाकर खाएं।
- खांसी को दूर करने के लिए रात को 1 चम्मच शहद काली मिर्च के साथ खाएं।
- मानसून में 1 चम्मच शहद में सोंठ यानी सूखी अदरक का पाउडर मिलाकर खाना भी फायदेमंद रहता है।

# आपका शरीर आपको देता है दिल की बीमारी का संकेत

**दिल की बीमारी शुरू होने से पहले शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते हैं। एक्सपर्ट से जानें वो कौन से हैं और आप उन्हें कैसे पहचान सकते हैं।**

हमारा शरीर किसी भी तरह की बीमारी के शुरू होने से पहले हमें कुछ संकेत देता है जो ये बताते हैं कि कहीं कोई बीमारी तो शुरू नहीं हो रही है। दरअसल, कई बार हम गंभीर लक्षणों को भी नजरअंदाज़ कर देते हैं और ये सोचते हैं कि ये लक्षण आम हैं। पर हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि शरीर के बहुत जरूरी अंग जैसे दिल, किडनी, लिवर आदि हमें बीमारी से पहले कुछ न कुछ संकेत जरूर देते हैं। कुछ समय पहले हमनें आपको दिल की बीमारी के संकेतों के बारे में बताया था और अब हम आपको दिल की बीमारी के कुछ संकेतों के बारे में बताने जा रहे हैं।

### इनडायजेशन या पेट का दर्द

कई बार अचानक इनडायजेशन या पेट का दर्द शुरु होता है और ये लगातार बना रहता है। ऐसा भी हो सकता है कि किसी-किसी दिन एक-दो बार आपका पेट खराब रहे, लेकिन ये भी हो सकता है कि लगातार कई दिनों तक ये समस्या बनी रहे जबकि आपकी डाइट आदि में कोई बदलाव न आया हो। अगर ऐसा कुछ हुआ है तो आपको ये ध्यान रखना होगा कि आप डॉक्टर से चेकअप जरूर करवा लें। महिलाओं में ये समस्या पुरुषों की तुलना में ज्यादा होती है। ये लक्षण उन्हें पहले दिखता है।

### बार-बार चक्कर आना

आपको ऐसा अगर बार-बार लग रहा है कि आपको चक्कर आ रहा है। माइंड कंट्रोल नहीं है और बार-बार ये लगे कि आप बस अब बेहोश हो जाएंगे तो ये चिंता का विषय है और दिल की बीमारी का एक लक्षण भी। कुछ मामलों में ये नर्वस सिस्टम की खराबी या बैकबोन या ब्रेन क्लॉटिंग को भी दर्शाता है, लेकिन अगर दिल की बीमारी शुरू होने वाली है तो उसका एक लक्षण ये हो सकता है। चाहें कोई भी कारण हो ये बिलकुल सही नहीं होता और इसे इग्नोर करना सेहत के साथ खेलने जैसा है। अगर आपको ऐसा कोई लक्षण दिख रहा है तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

### बहुत ज्यादा थकान बनी रहना

अगला लक्षण थकान का होता है। थकान ऐसी नहीं कि बहुत काम कर लिया तो थक गए बल्कि थकान ऐसी की आप ये भी न समझ पाएं कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। दिन भर का काम करना भी मुश्किल रहे और ज़रा सा उठने-बैठने पर आप हांफने लगें। ऐसे में आपका दिल आपको इशारा कर रहा है कि अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें और डॉक्टर से संपर्क करें।

### अचानक खर्राटे लेकर सोना

कई बार लोगों को साइनस की वजह से या फिर नाक के आकार की वजह से खर्राटे आते हैं, लेकिन अगर आपको इनमें से कोई समस्या नहीं है और अचानक खर्राटे शुरू हो गए हैं तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

### पैर, एड़ियों और तलवों का सूझ जाना

पैरों में लगातार सूजन का बना रहना किडनी और दिल दोनों की बीमारी का संकेत माना जा सकता है। जब हमारा दिल अच्छे से ब्लड पंप नहीं कर पाता है तो इन अंगों तक सही तरह से खून भी नहीं पहुंच पाता है। ऐसे में सूजा-सूजा महसूस होता है और आपके पैरों के तलवों और एड़ियों, पैरों और तलवों पर ब्लोटिंग होने लगती है। ऐसे में अगर आपको लगता है कि पैरों में लगातार सूजन बनी हुई है तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

### दिल की धड़कन और पल्स रेट का बढ़ना और गिरना

आपके दिल की धड़कन आपको ये बता सकती है कि दिल की बीमारी शुरू हो रही है या नहीं। पल्स रेट का अचानक बढ़ना, गिरना ये भी इस बात का अंदेशा दे सकता है। आपको अचानक घबराहट होना और दिल का तेज़ी से धड़कना। अगर किसी चीज़ से डर गए हैं, बहुत ज्यादा दौड़ लिए हों, बहुत एक्साइटेड हों तो ये नॉर्मल है, लेकिन अगर आप सामान्यत- जैसे बैठते हैं वैसे बैठे हैं और अचानक घबराहट, पसीना और दिल की धड़कन का असमान्य हो जाना दिखता है तो ये लक्षण सही नहीं है।

### कुछ अन्य लक्षण

- इनके अलावा दिल की बीमारी के कुछ अन्य लक्षण भी दिखते हैं जैसे-
- सीने में दर्द
- बार-बार सांस फूलना
- बार-बार हाथ या पैर का सुन्न हो जाना या वीक हो जाना
- लेफ्ट आर्म में दर्द और उसका सुन्न होना
- अपर एब्डॉमिन या बैक में दर्द होना
- ऐसा कोई भी असामान्य लक्षण अगर आपको दिख रहा है तो बेहतर होगा कि आप अपने डॉक्टर से सलाह लेने में देरी न करें। ध्यान रखें कि कभी-कभी कुछ खाने-पीने, दौड़ने-भागने, डरने या फिर बीपी के ऊपर-नीचे होने की वजह से भी ऐसे लक्षण होते हैं, लेकिन आपको अगर ऐसे लक्षण लगातार बने हुए हैं तो डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

बरसात के मौसम में चिकनगुनिया का जोखिम भी बढ़ जाता है। यह मच्छरों से होने वाली बीमारी है। आइए जानते हैं इसके लक्षण

## बरसात में बढ़ जाता है चिकनगुनिया का जोखिम

बरसात के मौसम में वायरल संक्रमण का खतरा काफी बढ़ जाता है। डेंगू, मलेरिया के साथ ही चिकनगुनिया का भी जोखिम बढ़ जाता है। यह बीमारी चिकनगुनिया वायरस मच्छर के कारण होती है। इंफेक्टेड मादा मच्छर एडीज एजिप्टी और एडीज एल्बोपिक्टस के काटने से कोई भी व्यक्ति इससे संक्रमित हो जाता है। यह बीमारी आमतौर पर अफ्रीका, अमरिका, एशिया, यूरोप, भारत के देशों के लोगों को ज्यादा प्रभावित करती है। आपको बता दें कि यह संक्रमण पहली बार 1952 में पूर्वी अफ्रीका में देखा गया था। संक्रमित मच्छर के काटने के 3 से 7 दिनों के बाद इसके लक्षण नजर आने लगते हैं जो की खुद ब खुद भी ठीक हो जाते हैं लेकिन बच्चे , बुजुर्ग या कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में यह गंभीर रूप ले सकता है। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में ब्लड ट्रांसफॉर्मेशन के जरिए होता है। आइए नजर डालते हैं इसके लक्षणों पर

### चिकनगुनिया के लक्षण

- सिर दर्द
- जोड़ों में दर्द
- थकान
- चक्कर आना
- लिम्फ नोड्स में संवेदनशीलता
- उल्टी
- मांसपेशियों में दर्द
- चेहरे पर चकत्ते

### क्या है इसका इलाज

एक्सपर्ट बताते हैं की इस मच्छर जनित बीमारी का पता लगाने के लिए साधारण सा ब्लड टेस्ट किया जाता है। बता दें कि चिकनगुनिया से बचाव के लिए किसी भी तरह की वैक्सीन और इलाज नहीं है। आराम, तरल पदार्थ और ओवर द काउंटर दर्द और बुखार की दवाओं से इसके लक्षणों को कम करने में मदद मिल सकती है।

## बरसात में क्यों बढ़ जाता है जोड़ों का दर्द?

बारिश का मौसम सुहावना जरूर होता है लेकिन जरूरी नहीं है कि हर किसी के लिए सुकून भरा हो, कुछ लोग ऐसे भी हैं जिनके लिए यह मौसम आफत बन जाता है। इस मौसम में खूब सारी समस्या होने लगती है। अक्सर जॉइंट पेन की शिकायत बढ़ जाती है। आइए जानते हैं कि आखिर बारिश के मौसम में जोड़ों का दर्द क्यों बढ़ जाता है? और यह समस्या किन लोगों को परेशान करती है। इसको लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की।

### बरसात में क्यों बढ़ जाता है जोड़ों का दर्द?

एक्सपर्ट बताते हैं कि मानसून के मौसम में ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है। वातावरण में नमी का स्तर बढ़ जाता है इससे जॉइंट स्टिफ हो जाते हैं, खासकर समस्या उन लोगों होती है जिनकी हड्डियां कमजोर होती है। मौसम में ठंडापन होने के कारण लोग पानी का सेवन कम कर देते हैं,इससे फ्लूड की कमी हो जाती है। इसके कारण भी जोड़ों का दर्द बढ़ने लगता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि वायुमंडल में पाए जाने वाले एयर प्रेशर को बैरोमेट्रिक दबाव कहा जाता है, मानसून में यह दबाव कम हो जाता है,तो शरीर के टिशू और मांसपेशियों में सूजन और दर्द बढ़ जाता है। कम तापमान के कारण टिशू ,मांसपेशियों जोड़ों में दर्द और ऐंठन हो सकता है। जिन लोगों को पहले कभी चोट लगी हो या गठिया की समस्या है उन्हें दर्द झेलना पड़ सकता है। इस दर्द से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है की आप इस मौसम में शारीरिक गतिविधि करते रहें और शरीर को हाइड्रेट रखें।

## सोते या आराम करते समय घटाएं वजन, ये टिप्स आएंगे काम

आपने शायद इसके बारे में सुना हो कि नींद लोगों के लिए कितनी जरूरी होती है। नींद न सिर्फ हमारे थके हुए शरीर और दिमाग को आराम देने के लिए जरूरी है बल्कि इसके कारण हमारे शरीर के कई फंक्शन्स पूरे होते हैं। उदाहरण के तौर पर शरीर के सभी मसल्स रिपेयर होते हैं, स्किन केयर के लिए ये समय सही होता है, शरीर का मेटाबॉलिज्म प्रोसेस इस समय सही से काम करता है। ऐसे में आपका शरीर नींद में भी वजन लूज कर सकता है पर उसके लिए आपको अपने शरीर को तैयार करना होगा।

### स्लीप साइकल पर ध्यान देना जरूरी है

ज्योति जी के मुताबिक ये कई लोगों के साथ होता है कि उन्हें क्वालिटी की जगह क्वांटिटी की चिंता होती है। कई बार आपने देखा होगा कि किसी दिन 12-13 घंटे सोने के बाद अगले दिन आप बहुत थका हुआ फील करते हैं, लेकिन वहीं 6-7 घंटे की क्वालिटी स्लीप आपके लिए अच्छी साबित होती है। नींद में हमारे शरीर में कई तरह की गतिविधियां होती हैं और शरीर का मेटाबॉलिज्म और सभी तरह की रिपेयर प्रक्रिया सही से काम करे इसके लिए आपको क्वालिटी स्लीप लेनी है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि क्वांटिटी स्लीप के मुकाबले हमेशा क्वालिटी स्लीप अच्छी होती है। ऐसा लाइफस्टाइल के कारण होता है। एक अच्छी स्लीप साइकल ही आपके वेट लॉस को प्रमोट करेगी।

### हेल्दी डाइट और डिनर का टाइम

वेट लॉस के लिए पहले आपको अपने शरीर को तैयार करना होगा। इसके लिए दिन भर में हेल्दी डाइट जरूरी है। एक तरह से देखा जाए तो यहां भी क्वालिटी और क्वांटिटी वाला फंडा आता है। ये जरूरी नहीं कि आप हेल्दी डाइट लेने के लिए बिलकुल कम खाएं या फिर एक समय पोहा-स्प्राउट्स आदि खाने के बाद दूसरे समय छोले-टिक्की, पकोड़े, बर्गर आदि खा लें। आप चीट डाइट ले सकते हैं, लेकिन वो कभी-कभी होना चाहिए। साथ ही नींद में आपका मेटाबॉलिज्म ठीक रहे उसके लिए आपको रात में सोने से करीब 2-3 घंटे पहले खाना खा लेना होगा। ऐसा करने से आपके खाने को डायजेस्ट होने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। सोने से जस्ट पहले अगर आप खाते हैं तो शरीर अपनी पूरी एनर्जी सिर्फ खाने को डायजेस्ट करने में ही लगा देगा। ये नींद में आपके मसल रिपेयर या वेट लॉस के काम पर असर नहीं करेगा।

### सोने से पहले सारे गैजेट्स को बंद कर दें

ये शुरुआत में थोड़ा मुश्किल होगा पर धीरे-धीरे सब ठीक होने लगेगा। ये टिप बहुत जरूरी है अगर आप क्वालिटी नींद चाहते हैं तो। फोन और गैजेट्स के कारण हमारा दिमाग डिस्ट्रैक्ट होता है और इसलिए ये सही नहीं होता कि हम अपनी नींद में इनकी वजह से खलल डालें। अगर आप ये स्टेप फॉलो करेंगे तो खुद ही समझ आ जाएगा कि कितनी अच्छी तरह से आपको नींद आ रही है। हां, ये जरूर है कि शुरुआत में आपको इससे थोड़ी दिक्कत होगी और बार-बार मन करेगा कि आप अपना फोन या लैपटॉप देख लें पर ऐसा नहीं करना ठीक है।

### रात में प्रोटीन बहुत जरूरी है

अच्छी नींद और रात में भूख न लगे, बार-बार नींद न टूटे, खाना सही डायजेस्ट हो और साथ ही साथ शरीर अपने रेगुलर काम जैसे सेल रिपेयर आदि ठीक से करे। वैसे तो आप रात में प्रोटीन शेक भी पी सकते हैं, लेकिन हल्दी वाला दूध, थोड़े से नट्स आदि इस काम को बखूबी कर सकते हैं। रात को सोने से पहले ये लें ताकि आपको बार-बार मिडनाइट हंगर की समस्या न हो। जब आप सोते हैं तो आपकी सारी मसल्स रिकवर होती हैं और इस काम में प्रोटीन आपकी मदद करता है।

### मेडिटेशन करेगा मदद

आप स्ट्रेचिंग या मेडिटेशन आदि सोने से पहले कर सकते हैं। ये न सिर्फ आपकी नींद को बेहतर करेगा बल्कि इसके कारण आपका मेटाबॉलिज्म प्रोसेस भी सही होगा। आप मेडिटेशन, ब्रीदिंग एक्सरसाइज, स्ट्रेचिंग आदि कुछ भी कर सकते हैं जो आपको ठीक लगता है। दिमाग की शांति के लिए भी ये बहुत अच्छा साबित हो सकता है।

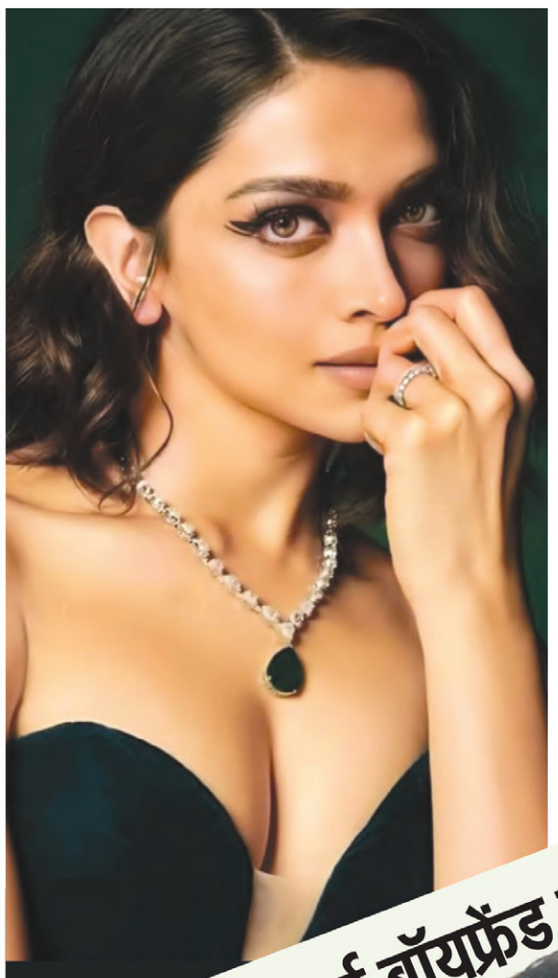

# दीपिका ने रचा इतिहास!

## हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम में स्टार पाने वाली पहली एक्ट्रेस

**दीपिका पादुकोण का नाम बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेज में शुमार है। अपने इसी योगदान की बदौलत दीपिका ने ना सिर्फ भारत में बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी खूब नाम कमाया। अब एक्ट्रेस के नाम एक और उपलब्धि दर्ज हो गई है। अब दीपिका ने कुछ ऐसा कमाल कर दिखाया जो इतिहास में आज तक किसी एक्टर ने नहीं किया।**

दरअसल दीपिका का नाम उन ग्लोबल स्टार्स में शामिल हो गया है जिन्हें अगले साल यानी 2026 में हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान से नवाजा जाएगा। इसी के साथ ये सम्मान पाने वाली दीपिका पहली इंडियन सेलेब्रिटी बन जाएंगी।

**प्रेस कॉन्फ्रेंस में हुई दीपिका के नाम की घोषणा**

बुधवार को हॉलीवुड में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में माइली साइरस, टिमोथी चालमेट और अन्य ग्लोबल नामों के बीच इस सम्मान के लिए दीपिका के नाम की घोषणा की गई। हॉलीवुड अभिनेत्री एमिली ब्लंट, फ्रांसीसी अभिनेत्री कोटिलार्ड, कनाडाई अभिनेत्री रेचल मैकएडम्स, इतालवी अभिनेता फ्रेंको नीरो और सेलिब्रिटी शेफ गॉर्डन रामसे को भी हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम स्टार से सम्मानित किया जाएगा।

**क्या है हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम?**

हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम कैलिफोर्निया की मशहूर टूरिस्ट लोकेशन है। 15 ब्लॉक की इस जगह में अभी तक 2500 से ज्यादा स्टार्स के नाम लगाए जा चुके हैं और अब इसमें दीपिका का नाम भी शामिल हो गया है। इस फेमस टूरिस्ट लोकेशन पर हर साल लाखों की संख्या में लोग घूमने के लिए आते हैं।

# इस एक्ट्रेस ने प्रियंका की फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' को सराहा

## देसी गर्ल ने दिया रिएक्शन

**प्रियंका चोपड़ा की हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' की तारीफ उनके कई बॉलीवुड को-एक्टर्स भी कर रहे हैं। हाल ही में साउथ के पॉपुलर एक्टर महेश बाबू की पत्नी और एक्ट्रेस नम्रता शिरोडकर ने प्रियंका की हॉलीवुड फिल्म को लेकर एक सोशल मीडिया पोस्ट की है। नम्रता की पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने भी रिएक्शन दिया है।**

**नम्रता ने प्रियंका को अमेजिंग बताया**

नम्रता शिरोडकर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। पोस्ट में नम्रता ने लिखा है, 'आप फिल्म में बहुत अमेजिंग थीं प्रियंका चोपड़ा। आपने धमाल मचा दिया। मुझे फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट्स' बहुत पसंद आई।' नम्रता की इस पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने भी रिएक्ट किया, उनकी पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लगाया। साथ ही नम्रता के लिए एक मैसेज भी लिखा,

**साउथ की मेगा बजट फिल्म का भी हिस्सा प्रियंका**

बताते चलें कि प्रियंका चोपड़ा, नम्रता शिरोडकर के पति और एक्टर महेश बाबू के साथ एक साउथ फिल्म 'SSMB29' कर रही हैं। इस मेगा बजट फिल्म 'SSMB29' में प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं। फिल्म को एस.एस. राजामौली निर्देशित कर रहे हैं। पिछले दिनों इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका भारत भी आई थी। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी जानकारी प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थी।

**हिंदी फिल्मों में वापसी को लेकर दिया हिंट**

पिछले दिनों प्रियंका ने हिंदी फिल्मों में वापसी को लेकर एक इशारा किया। हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' के प्रमोशन के दौरान इंडिया टुडे से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं हिंदी फिल्मों को बहुत मिस करती हूं और इंडिया को भी।' इस बयान के बाद प्रियंका के भारतीय फैंस को उम्मीद जगी है कि वह जल्द ही किसी बॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगी।

# तृप्ति और रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने फिर शेयर की एक जैसी तस्वीरें

**सैम-तृप्ति ने एक ही लोकेशन की तस्वीरें शेयर कीं**

सैम मर्चेंट की तस्वीरों को देखकर लगता है कि वह गोवा में छुट्टियां मना रहे हैं। जिस होटल में वह रह रहे हैं, वहां पर एक स्वीमिंग पुल है, जिसकी फोटो सैम ने शेयर की हैं। बिल्कुल वैसी ही फोटो तृप्ति ने भी अपनी इंस्टा स्टोरी पर लगाई है। इससे पता चलता है कि दोनों एक ही जगह पर मौजूद हैं।

**क्या तृप्ति ने कबूल किया है रिश्ता**

तृप्ति ने इंस्टाग्राम पर जो फोटो शेयर की है, उसमें खूबसूरत सा होटल दिख रहा है। इस तस्वीर पर तृप्ति ने लिखा है, 'मेरा सीक्रेट हाइडआउट' यानी मेरी सीक्रेट छुपने की जगह। इस फोटो में तृप्ति ने सैम मर्चेंट को टैग भी किया है। ऐसा वह पहले नहीं करती थीं। इससे साफ होता है कि अब तृप्ति खुलकर सैम के साथ अपना रिश्ता स्वीकार कर रही हैं।

तृप्ति डिमरी जब फिल्मों में व्यस्त नहीं होती हैं तो वेकेशन पर चली जाती हैं। मगर वह अकेले वेकेशन पर नहीं होती हैं, अक्सर रूमर्ड बॉयफ्रेंड सैम मर्जेंट भी साथ होते हैं। दोनों एक ही लोकेशन फोटो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हैं, मगर साथ कभी तस्वीरों में नजर नहीं आते हैं। हाल ही में वेकेशन की कुछ तस्वीरें तृप्ति ने शेयर की हैं, जिनमें ऐसा हिंट दिया है, जिससे लगता है कि वह अब दुनिया के सामने अपना रिश्ता सैम मर्जेंट से कबूल कर रही हैं। जानिए, ऐसा क्या लिखा है तृप्ति ने अपनी शेयर की गई फोटोज में।

# चाहत खन्ना ने दूसरे तलाक पर तोड़ी चुप्पी

## बताया क्यों पति फरहान मिर्जा से हुईं अलग

चाहत खन्ना किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो टीवी इंडस्ट्री का फेमस नाम हैं। उन्होंने राम कपूर के टीवी शो 'बड़े अच्छे लगते हैं' में दमदार एक्टिंग कर घर-घर में अपनी पहचान बनाई थी। हालांकि, वो अपनी पर्सनल लाइफ के लिए भी खूब सुर्खियों में रहीं। उन्होंने दो बार शादी की, लेकिन दोनों बार उनका रिश्ता टूट गया। उन्होंने हाल ही में अपने दूसरे तलाक के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वो अपनी बेटियों की खातिर शादी से बाहर निकल गईं।

एक्ट्रेस को अपने दूसरे पति फरहान मिर्जा से दो बेटियां हैं। चाहत खन्ना ने 'फ्री प्रेस जर्नल' से बात की। उन्होंने कहा, "मैंने हमेशा वही किया जो मुझे सही लगा और मैं उस पर कायम रही। मेरे पास हमेशा ये कहने का साहस रहा है कि अगर कुछ गलत है, तो मैं ऐसा नहीं करूंगी और मैं किसी और को भी ऐसा नहीं करने दूंगी। दुनिया चाहे जो भी कहे, मैं कभी भी गलत को सपोर्ट नहीं करूंगी।' चाहत ने आगे कहा, 'आपके पास उस तरह का कॉन्फिडेंस, उस तरह का साहस और सेल्फ रिस्पेक्ट होना चाहिए। ना सिर्फ एक महिला के रूप में, बल्कि एक इंसान के रूप में भी। मुझे हमेशा लगता रहता है कि अगर कुछ ठीक नहीं है तो मैं उसका हिस्सा नहीं बनूंगी। मैं बाकी चीजों को समझ लूंगी, लेकिन मैं उससे दूर चली जाऊंगी। मेरा डेयरडेविल वाला एटीट्यूड है।' सलाह देते हुए चाहत ने कहा कि खराब शादी में क्यों नहीं रहना चाहिए। वो बोलीं, 'आपको ये सोचकर टॉक्सिक मैरिज में नहीं रहना चाहिए कि आप ये बच्चों के लिए कर रहे हैं।

# परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' छोड़ने के लिए प्रियदर्शन से मांगी माफी

**डायरेक्टर बोले- उन्होंने कहा 'मुझे दुख है'**

भारतीय कॉमेडी सिनेमा के फैंस के लिए एक सुखद खबर यह है कि दिग्गज एक्टर परेश रावल ' हेरा फेरी 3 ' में वापस आ गए हैं। निर्देशक प्रियदर्शन ने साल 2000 में इस क्लासिक फिल्म का निर्देशन किया था, उन्होंने अब उन चौंकाने वाली घटनाओं के बारे में बताया है, जिसके कारण परेश रावल फिर से इस फिल्म में वापस आए। प्रियदर्शन ने खुलासा किया कि परेश ने फिल्म से बाहर होने के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'अक्षय और परेश दोनों ने फोन करके बताया कि सब कुछ ठीक हो गया है। मैं तब चौंक गया जब परेश ने कहा, 'सर, मैं यह फिल्म कर रहा हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे मन में आपके लिए कभी भी सम्मान के अलावा कुछ नहीं रहा। मैंने आपके साथ 26 फिल्में की हैं, और मुझे छोड़ने का दुख है। कुछ व्यक्तिगत मुद्दे थे।' उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने, अक्षय और सुनील ने मुलाकात की और मामले को सुलझाया।'

# सुकेश चंद्रशेखर संग रिश्ते पर जैकलीन ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस ठग सुकेश चंद्रशेखर के कारण लगातार कानूनी पचड़ों में फंसी हुई हैं. बता दें कि सुकेश चंद्रशेखर को 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था. सुकेश ने दावा किया था कि वह बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस के रिश्ते में हैं और उन्होंने मनी लॉन्ड्रिंग के पैसों से एक्ट्रेस को करोड़ों के महंगे तोहफे भेजे हैं. केवल इतना ही नहीं ठग सुकेश अक्सर जैकलीन के लिए जेल से खत लिखा था,एक्ट्रेस केपिछले बर्थडे पर तो उसने जैकलीन के लिए एक प्राइवेट जेट भी खरीदा था, जिसे एक्ट्रेस के टेस्ट के हिसाब से कस्टमाइज करवाया गया था. अब इसी बीच जैकलीन ने सुकेश संग अपने रिश्ते पर पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है.

**जैकलीन फर्नांडिस ने सुकेश चंद्रशेखर संग रिश्ते का बताया सच**

बता दें कि एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस ने 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा दर्ज की गई FIR और चार्जशीट के अलावा निचली अदालत द्वारा दाखिल की गई चार्जशीट पर संज्ञान लेने के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है. उन्होंने अपनी याचिका ने इस बात को साफ कर दिया है कि उनका ठग सुकेश चंद्रशेखर से कोई लेना-देना नहीं है और सुकेश संग मिलकर अदिति सिंह ने ना सिर्फ उनके साथ धोखाधड़ी की है बल्कि उन पर झूठे आरोप भी लगाए हैं. अपनी याचिका में जैकलीन ने सुकेश संग रिलेशनशिप होने से साफ इनकार कर दिया है. जैकलीन फर्नांडिस की याचिका पर आज दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई होने वाली है. बता दें कि एक्ट्रेस ने अपनी याचिका में ये भी कहा कि सुकेश चंद्रशेखर ने जानबूझकर उन्हें टारगेट किया है और मनी लॉन्ड्रिंग मामले से उनका कोई लेना-देना नहीं है. वर्क फ्रंट की बात करें तो जैकलीन फर्नांडिस हाल ही में अक्षय कुमार की मूवी 'हाउसफुल 5' में नजर आई हैं. इस फिल्म में जैकलीन और अक्षय के अलावा एक्टर रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, जोनी लिवर, सौंदर्या शर्मा, डिनो मौरिया, चित्रांगदा सिंह समेत कई सितारे नजर आ रहे हैं.

# तमन्ना का ग्लैमरस अवतार!

बॉलीवुड की ग्लैमर क्वीन तमन्ना भाटिया ने एक बार फिर अपने स्टाइलिश अंदाज से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है. एक्ट्रेस ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है, जिसे देखकर फैंस के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं. इन त्सवीरों में तमन्ना का कॉन्फिडेंस और कैमरे सामने बोल्ड अंजाद लोगों को घायल कर रहा है.

**फैंस की बढ़ी धड़कनें**

इस बार तमन्ना ने ब्लैक स्पोर्ट्स ब्रा और सिल्वर शिमरी लॉन्ग स्कर्ट में अपने लुक को बेहद अलग अंदाज में दिखाया है. इस ड्रेस में एक्ट्रेस ने अपने कर्वी फिगर को फ्लॉन्ट करते हुए. कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दिए हैं. तमन्ना ने सिल्वर शिमरी लॉन्ग स्कर्ट के साथ ऊपर से लॉन्ग स्लीव्स जैकेट कैरी की है, जिसे वो कभी पहनकर, तो कभी कंधों से सरकाकर पोज देती नजर आ रही हैं, इनमें उनकी खूबसूरती काबिलेतारीफ दिख रही है. तमन्ना का मेकअप भी उनके लुक को और खास बना रहा है. उन्होंने लाइट आई मेकअप और शार्प लिपवर्क के साथ अपने चेहरे को ग्लोइंग टच दिया है. गले में डायमंड स्टाइल कॉलर नेकलेस, हाथों में स्टाइलिश रिंग्स और एक एलिगेंट घड़ी उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं. उनके ऑवरऑल स्टाइल को देख यह कहना गलत नहीं होगा कि मिल्कीब्यूटि की टक्कर में कोई नहीं हैं.

हर तस्वीर में तमन्ना का कॉन्फिडेंस और कैमरा के लिए एक्सप्रेशन इतने परफेक्ट हैं, कि हर क्लिक किसी मैगजीन के कवर जैसा लग रहा है, इन तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन लिखा, 'दिन और रात की धुंधली रेखाएं.' तमन्ना की इन तस्वीरों को देखकर सोशल मीडिया पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, 'बिल्कुल स्टनिंग!', वहीं दूसरे ने लिखा, 'फोरेवर फेवरेट!' एक अन्य यूजर का कमेंट वायरल हो गया जिसमें उन्होंने लिखा, 'होठों का काम तो अब आंखें कर रही हैं!'

# कार्तिक आर्यन और श्रीलीला ने साथ में किया डिनर, वीडियो हुआ वायरल

बॉलीवुड के चॉकलेटी बॉय कार्तिक आर्यन एक बार फिर अपने लव अफेयर को लेकर चर्चा में आ गए हैं। इस बार उनके साथ जुड़ा है साउथ की ग्लैमरस एक्ट्रेस श्रीलीला का नाम। बीते कुछ दिनों से दोनों को कई बार एक साथ देखा गया है और हाल ही में दोनों को देर रात मुंबई के एक मशहूर रेस्टोरेंट से बाहर निकलते हुए स्पॉट किया गया। बस फिर क्या था, सोशल मीडिया पर फैंस ने इन्हें लेकर कयास लगाने शुरू कर दिए।

**फैंस बोले- 'अब तो शादी कर लो भाई!'**

कार्तिक और श्रीलीला की ये लेट नाइट मुलाकात जैसे ही कैमरे में कैद हुई, इंटरनेट पर कमेंट्स का सैलाब आ गया। वीडियो में दोनों को हंसते-मुस्कुराते और साथ वक्त बिताते देखा गया। फैंस ने कमेंट बॉक्स में मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं। एक यूजर ने लिखा, 'नई जोड़ी सुपरहिट लग रही है।'

**'आशिकी 3' से बढ़ी नज़दीकियां?**

सूत्रों की मानें तो कार्तिक और श्रीलीला अनुराग बसु की फिल्म 'आशिकी 3' में साथ नजर आने वाले हैं। इस रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म की शूटिंग की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और दोनों स्टार्स इन दिनों फिल्म की स्क्रिप्ट रीडिंग और वर्कशॉप्स में साथ देखे जा रहे हैं। ऐसे में दोनों के बीच बढ़ती नज़दीकियों को लेकर बातें होना लाजमी है।

**श्रीलीला के बर्थडे पर कार्तिक का खास पोस्ट**

हाल ही में श्रीलीला के जन्मदिन पर कार्तिक ने एक प्यारी सी तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की थी, जिसमें दोनों काफी क्यूट लग रहे थे। इस पोस्ट ने फैंस के बीच इनकी रिलेशनशिप की चर्चा को और हवा दी।

**फैशन के मामले में भी छाए कपल**

मुंबई में स्पॉट किए जाने के दौरान कार्तिक ने कैजुअल ब्लू शर्ट और ब्लैक पैंट पहनी थी, वहीं श्रीलीला फ्लोरल आउटफिट में नजर आईं। दोनों कैमरे के सामने बेहद सहज दिखे और कार्तिक ने अपनी ट्रेडमार्क स्माइल से सबका दिल जीत लिया।

## खबर-खास

### ऋणीयों की भुमि बेची जाऐगी

**दुर्ग( समय दर्शन )।** ऋण-वसुली अभियान में बैंक के नियमानुसार जिस तरह से तेजी से कार्रवाई जारी हैं। उससे यह लग रहा की उक्त कार्रवाई से बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार होगा इसी ऋण वसुली के क्रम में अब श्री कुलदीप सिंह पुत्र प्यारा सिंह तेलीकोट रोड फ्रेन्ड्स कालोनी खरसिया, रायगढ़ छत्तीसगढ़ की भुमि जो की बैंक साखा के पास अमानत के तौर पर रखी गई थी। उसका खसरा नं. 7/10 प.ह.न.16 ग्राम बोडासागर तहशिल अड़भार जिला सक्ती छत्तीसगढ़ में स्थित हैं उक्त भुमि का क्षेत्रफल 0,005 हेक्टेयर यानि 538,00 वर्गफिट में स्थित हैं उक्त भुमि की मांग सूचना दिनांक 05/06/2021 व कब्जा सूचना दिनांक 05/08/2021 और बकाया राशि 9,40,984.16 हैं इसमें 10/06/2025 तक भविष्य का ब्याज और अन्य खर्च आदि शमिल हैं। उक्त कार्रवाई में इसका आरक्षित मुल्य 81,000 एवं धरोहर राशि 8,100 व बिड़ बढ़ाने की राशि 5,000 राखि गई हैं। बैंक शाखा के अधिकारी श्री अमित कुमार के अनुसार जिन भी ऋणीयों ने ऋण चुकता नहीं किया उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाऐगी।

### रायपुर के ग्राम संकरी में स्थापित एकिकृत ठोस अपशिष्ट प्लांट का निरीक्षण किए आयुक्त

**भिलाईनगर ( समय दर्शन )।** नगर पालिक निगम रायपुर के 70 वार्डो में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन का कार्य किया जा रहा है। इस एकिकृत ठोस अपशिष्ट के प्रसंस्करण एवं निपटान हेतु ग्राम संकरी में प्लांट स्थापित कर संचालन एवं संधारण किया जा रहा है। जिसका परीक्षण करने आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली एवं सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग, रिसाली, भिलाई-चरोदा एवं नगर पंचायत उतई, नगर पालिका जामुल के आयुक्त, सी.एम.ओ. एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। एकिकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के क्रियान्वयन हेतु पी.पी.पी. मोड पे डिजाइन निर्माण, वित्त, संचालन एवं हस्तांतरण (डी.बी.एफओ.टी) के आधार पर कार्य किया जाता है। संचालनकर्ता एजेंसी डेल्ही एम.एस.डब्लू. साल्यूशन लिमिटेड द्वारा जानकारी दिया गया कि डी.बी.एफओ.टी एक प्रकार का सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल है, जहां एक पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल है, जहां एक निजी संस्था सवच्छता परियोजना के डिजाइन निर्माण वित्तपोषण, संचालन और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। निरीक्षण अनुसार संयंत्र में 6 साईटिफिक लैण्डफिल साईट निर्मित है। जिसमें लगभग 15 फिट उचांई के प्लास्टिक परत युक्त तालाबनुमा बड़ी संरचना तैयार की गई है। जिससे एकत्रित अवशिष्ट का निपटान आसानी से किया जा सके एवं वेस्ट से जल एवं थल प्रदुषित न हो। लिचेट ट्रिटमेंट प्लांट का भी निर्माण किया गया है, जिसके माध्यम से टैंक में एकत्रित लिचेट का ट्रिटमेंट कर वातावरण के अनुकुल बनाया जाता है। वृहत स्तर पर घरो से निकलने वाले गीले अपशिष्ट से खाद निर्माण एवं छानकर पेकिंग किया जा रहा है।

# ई-ऑफिस प्रणाली पर कलेक्टर के निर्देश पर डीआईओ निराला ने दिया प्रशिक्षण

### सभी जिला कार्यालयों में शीघ्र ई-ऑफिस प्रणाली लागू की जाएगी

**गरियाबंद ( समय दर्शन )।** जिले में ई-ऑफिस प्रणाली के सुगम संचालन को ध्यान में रखते हुए संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसमें समस्त विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को ई-ऑफिस संचालन को सरकारी कार्यालयों के दस्तावेजों को पेपरलैस करने पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।इस प्रशिक्षण शिविर में जिला के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया।

कलेक्टर बी.एस.उइके ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जिला कार्यालयों में आगामी समय में ई-ऑफिस प्रणाली लागू की जाएगी।उन्होंने कहा कि जिले में ई ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय कार्यालयों के अधिकारियों कर्मचारियों को ई-कार्यालय प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसे अधिकारी-कर्मचारी गंभीरतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करें। प्रशिक्षण में एनआईसी के उप निदेशक नेहरू निराला एवं ई-जिला प्रबंधक मिथलेश देवांगन ने अधिकारियों कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली के तहत विभिन्न प्लेटफार्म के विभिन्न कार्यों तथा उनके उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।प्रशिक्षण में ई-ऑफिस का परिचय एवं उपयोग,दस्तावेज़ तैयार करना,अनुमोदन प्रक्रिया,रिपोर्टिंग एवं फाइल ट्रैकिंग,सुरक्षा उपाय एवं गोपनीयता आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि विभागों में कार्यप्रणाली को डिजिटल और कुशल बनाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस प्रशिक्षण दिया गया।जिसमें ई-ऑफिस प्लेटफॉर्म का सही और प्रभावी उपयोग का प्रोसेस सिखाया गया,ताकि कार्यों को डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित किया जा सकें। इससे कागजी प्रक्रिया में कमी लायी जा सकेगी। इसका उद्देश्य ई-ऑफिस प्लेटफॉर्म पर दस्तावेजों की डिजिटल ट्रैकिंग एवं प्रसंस्करण,कार्यों में पारदर्शिता और कुशलता,समय की बचत एवं प्रक्रिया की गति में सुधार,कर्मचारियों के बीच बेहतर संवाद और सहयोग स्थापित करना है। इस दौरान अपर कलेक्टर अरविंद पाण्डेय, नवीन भगत सहित समस्त विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

# उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में कैमरे में कैद हुआ तेंदुआ,अपने दो शावकों संग दिखा खेलता हुआ

**गरियाबंद ( समय दर्शन )।** बरसात के मौसम में जब प्रकृति अपने चरम सौंदर्य पर होती है, तब वन्यजीवों की गतिविधियाँ भी तेज हो जाती हैं।इसी क्रम में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व से एक दुर्लभ और मनमोहक दृश्य सामने आया है,जिसमें एक तेंदुआ अपने दो नन्हे शावकों के साथ खेलता हुआ नजर आ रहा है। यह दृश्य रिजर्व में लगे ट्रैप कैमरे में कैद हुआ,जिसे डीएफओ वरुण जैन ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो में शावकों को अपनी माँ की पीठ पर चढ़ते और जंगल में चंचलता से दौड़ते हुए देखा जा सकता है।

डीएफओ वरुण जैन ने बताया कि टाइगर रिजर्व में जैव विविधता संरक्षित है और विभाग सतत निगरानी और संरक्षण पर ध्यान दे रहा है।बरसात में यह जंगल प्राकृतिक जल-संग्रहण क्षेत्र की तरह कार्य करता है,जिससे पारिस्थितिकी तंत्र संतुलित रहता है।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व न केवल बाघों,तेंदुओं जैसे बड़े मांसाहारी जीवों का आवास है,बल्कि यहाँ हिरण,भालू,पक्षियों और सरीसृपों की भी बड़ी संख्या में मौजूद है।वन विभाग की ओर से लगातार चलाए जा रहे संरक्षण प्रयासों के चलते इन जीवों की संख्या और गति विधियों में सकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है।वन्जीवों की सुरक्षा के साथ-साथ यह पहल समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता भी ला रही है। डीएफओ जैन का यह प्रयास लोगों को जंगल और वन्यजीवन के प्रति जुड़ाव बढ़ाने की प्रेरणा दे रहा है।

डीएफओ वरुण जैन ने कहा कि बरसात के मौसम में वन्यजीवों की गतिविधियाँ काफी बढ़ जाती हैं।ऐसे समय में ट्रैप कैमरों से मिली यह दुर्लभ झलक हमारे लिए बेहद खास है।तेंदुए के साथ उसके दो नन्हे शावकों का खेलना यह दर्शाता है कि टाइगर रिजर्व में जैव विविधता सुरक्षित है और वन्यजीव खुद को सहज महसूस कर रहे हैं। विभाग लगातार निगरानी, ट्रैकिंग और संरक्षण की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रहा है,ताकि इन वन्य जीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हमारा उद्देश्य केवल निगरानी ही नहीं,बल्कि आम जनता में भी वन्यजीवों के प्रति जागरूकता और संवेदन शीलता उत्पन्न करना है।यह वीडियो उसी दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

## खाद की मार झेल रहा किसान, सत्ता की दीवार बनी है मौन

### गरियाबंद में कांग्रेस का जमीनी प्रदर्शन, हर खेत की आवाज बनी पार्टी

**गरियाबंद ( समय दर्शन )।** प्रदेश भर में किसानों को खाद नहीं मिलने की समस्या पर कांग्रेस पार्टी अब आक्रामक हो गई है।इसी कड़ी में आज नगर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आदिम जाति सहकारी सेवा समिति के सामने जोरदार धरना प्रदर्शन किया। किसानों को समय पर खाद न मिलने की शिकायतों को लेकर प्रदर्शनकारी नेताओं ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। धरना प्रदर्शन में शामिल हुए जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने कहा- यह सरकार किसानों की रीढ़ तोड़ रही है।खाद की भारी किल्लत और समय पर आपूर्ति न होने से किसानों की खेती पूरी तरह से प्रभावित हो रही है। एक ओर मौसम साथ नहीं दे रहा,दूसरी ओर शासन-प्रशासन की उदासीनता किसानों को बर्बादी की ओर धकेल रही है।अगर जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो कांग्रेस सड़कों पर और उग्र आंदोलन करेगी। वहीं,नगर के पार्षद छगन यादव ने भी सख्त शब्दों में सरकार को घेरते हुए कहा कि,,, यह सरकार किसानों की नहीं, पूंजीपतियों की हितैषी है। खाद की कमी जानबूझकर बनाई जा रही है ताकि खुले बाजार में कालाबाज़ारी हो सके। हम चुप बैठने वाले नहीं, जरूरत पड़ी तो हम खेतों से लेकर सचिवालय तक आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन के दौरान किसानों के समर्थन में कई जनप्रतिनिधि,कांग्रेस कार्यकर्ता और ग्रामीण भी मौजूद रहे।प्रदर्शनकारियों ने सरकार से तुरंत खाद आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त करने,दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने और नकली खाद बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

## कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

### (ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ) ( प्रथम आमंत्रण)

दुर्ग, दिनांक 27.06.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 17.07.2025 तक आमंत्रित की जाती है:-

| निविदा आमंत्रण सू.क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (राशि लाख में) |
|---|---|---|
| 107 / दुर्ग (दुर्ग)/2025 | उपसंभाग क्रं. 03 दुर्ग के अंतर्गत कुम्हारी अहिवारा पथरिया मार्ग (एस.एच.- 21 ) के कि.मी. 1/2 से 27/6 कुल लंबाई 26.60 कि.मी. में बी. टी. पेंच रिपेयर कार्य | 49.93 |
| 108/ दुर्ग (बेमे.)/2025 | ग्राम हसदा, तहसील भिभौरी जिला बेमेतरा में सर्व समाज हेतु सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य | 24.16 |
| 109/दुर्ग (बालोद)/2025 | लोक निर्माण विभाग क्रं. बालोद के अंतर्गत शासकीय एन.सी. जैन महाविद्यालय दल्लीराजहरा में 02 नग अतिरिक्त कमरों का निर्माण कार्य | 44.64 |
| 110 / दुर्ग (राज.) / 2025 | लोक निर्माण विभाग, संभाग राजनांदगांव के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में साधारण मरम्मत, ए.आर., एम.ओ. डब्ल्यू. का कार्य | 80.00 |
| 111/दुर्ग(राज.)/ 2025 | चिकित्सा महाविद्यालय भवन राजनांदगांव में मरम्मत कार्य | 199.03 |
| 112 / दुर्ग (राज.) / 2025 | लोक निर्माण विभाग, संभाग राजनांदगांव के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में साधारण मरम्मत, ए.आर., एम.ओ. डब्ल्यू. का कार्य | 80.00 |
| 113/दुर्ग (खैरागढ)/2025 | नवीन जिला खैरागढ - छुईखदान -गंडई, वि.ख. खैरागढ में उच्चतर माध्यमिक शाला भवन चंदैनी का निर्माण कार्य | 119.58 |

**टीप-** 1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है। 2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

**अधीक्षण अभियंता**
**लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग**
**दूरभाष 0788-2210876**

G-252601970/2

## नाम परिवर्तन

मै श्रीमती गीता बाई साहू पिता टेटकुराम साहू पति साधुराम उम्र 70 वर्ष जाति तेली निवासी कोसागोदी पो. अरमरीकला जिला बालोद कारत निवासी ग्राम बटरेल पो. बटरेल तहसील पाटन जिला दर्ग (छ.ग.) , मेरा वास्तविक नाम गीता बाई साहू है जो सही है। उक्त नाम मेरे आधार कार्ड, नं. 711504309299 एवं मतदाता परिचय मे मेरा नाम श्रीमती गीता बाई साहू पति साधुराम दर्ज है जो सही है। मेरे विवाह के पहले ग्राम बटरेल तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित कृषि भूमि खसरा नं. 1170, 1171 रकबा क्रमश: 0.44, 0.20 कुल खसरा 02 कुल रकबा 0.64 हे. के किसान किताब (ऋण पुस्तिका) मे मेरा नाम देवंतीन पिता टेटकुराम लिखा है। मेरे राजस्व अभिलेख में दर्ज नाम देवंतीन पिता टेटकुराम लिखा है जिसे मेरे आधार कार्ड एवं मतदाता परिचय पत्र मे अंकित नाम श्रीमती गीता बाई साहू दर्ज कर राजस्व अभिलेख मे सुधार किये जाने हेतु राजपत्र मे प्रकाशन हेतु यह शपथपूर्वक प्रस्तुत है।

**शपथकर्ती**

## न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

**रा.प्र.क्र. 202506100900099**
**अ/27 वर्ष 2024-25**

### ईश्तहार

एदत् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खुडमुड़ी प0ह0नं0 17 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाषित किया जाता है कि आवेदक संतोष चक्रधर पिता स्व. विक्रम चक्रधर अन्य निवासी ग्राम खुडमुड़ी तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा आवेदक/अनावेदकगण के नाम पर दर्ज ग्राम खुडमुड़ी प.ह.न. 15 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित शामिलात खाते कि भूमि खसरा नंबर 277/1, 856, 860 रकबा क्रमश: 0. 80, 0.10, 0.65 हे0 कुल खसरा नंबर 03 कुल रकबा 1.55 हे0 का अंश के आधार पर खाता विभाजन हेतु प्रस्तुत आवेदन के आधार पर न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक संतोष चक्रधर पिता स्व. विकम चक्रधर अन्य निवासी ग्राम खुडमुड़ी तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत खाता विभाजन किये जाने कि कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण मे सुनवाई तिथि 18.07.2025 तक इस न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पष्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25.06.2025 को जारी किया गया।

**तहसीलदार**
मुहर **पाटन, जिला-दुर्ग ( छ.ग. )**

## न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

### ईश्तहार

**राजस्व प्रकरण कमांक 202503101500093**
**अ/6 वर्ष 2024-25**

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम डिडगा प0ह0नं0 42 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदिकागण बुधा बाई पति स्व. अंजोरी अन्य 05 निवासी डिडगा, तह0 पाटन, जिला दुर्ग (छ0ग0) द्वारा मौजा ग्राम डिडगा, प. ह. नं. 42, तह0 पाटन, जिला दुर्ग (छ0ग0) स्थित विक्रेता भगवती पिता सुकदेव अन्य 04 के नाम भूमि पुराना खसरा नं. 253/3 रकबा 0.75 हे0 का नया ख. नं. 553 रकबा 0.43 हे0 को पंजीकृत बैनामा दिनांक 21.08.1986 के आधार पर अपने नाम पर प्रमाणीकरण किये जाने हेतु प्रस्तुत आवेदन आधार पर आवेदन पर प्रकरण विचारधीन है

अत: आवेदिकागण बुधा बाई पति स्व. अंजोरी अन्य 05 द्वारा उपरोक्त दर्शित भूमि का नामांतरण किये जाने की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण मे सुनवाई तिथि 16.07.2025 तक इस न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27.06.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी ।

जारी दिनांक 27.06.2025
सुनवाई दिनांक 16.07.2025

**नायब तहसीलदार**
मुहर **पाटन, जिला-दुर्ग ( छ.ग. )**

## कार्यालय, नगर पालिक निगम भिलाई, जिला-दुर्ग निविदा सूचना

क्रमांक / लो.का.वि./ जोन-2/2025/674/119 भिलाई, दिनांक 1/7/25

आयुका नगर पालिक निगम भिलाई की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से लोक निर्माण विभाग के भवन निर्माण एस.ओ.आर. दिनांक 01.01.2015/ रोड एस.ओ.आर. दिनांक 01.06.2020, विद्युत एस.ओ.ओर 01.06 2020 एवं अद्यतन संशोधन के आधार पर कम/अधिक एवं आयटम दर पर निम्नलिखित कार्य हेतु निम्नानुसार दिनांक एवं समय तक मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

| | | सरल क्र. 1 | | सरल क्र. 2 से 9 तक |
|---|---|---|---|---|
| 1 | निविदा जारी करने की तिथि | - 01.07.2025 | - | 01.07.2025 |
| 2 | आवेदन की अंतिम तिथि | - 1507.2025 सायं 5.30 बजे तक | - | 22.07.2025 साथ 5:30 बजे तक |
| 3 | निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि | - 21.07.2025 सायं 5.30 बजे तक | - | 30.07.2025 सायं 5:30 बजे तक |
| 4 | निविदा खोले जाने की तिथि | - 22.07.2025 जन जपसस कंजम | - | 31.07.2025 जय जपसस कंजम |

| क्र. | कार्य का विवरण | अनुमानित लागत (लाख में ) | धरोहर राशि | निविदा प्रपत्र का मूल्य | समयावधि | ठेकेदारों की श्रेणी | फर्म |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | निगम मद (पेयजल संधारण) अंतर्गत जोन क्र. 02 क्षेत्रातर्गत कैलिक्स मशीन द्वारा बोर में फंसे एसेम्बली निकालने एवं बोर सफाई का कार्य। (तृतीय निविदा) | 2.99 | 3000.00 | 750.00 | आवश्यक तानुसार | 'द' एवं प्रवर | फार्म बी. एवं ए.बी.सी. सेड्यूल ऑफ आयटम |
| 2 | पार्षद निधि अतर्गत वार्ड क्र 28 प्रेमनगर राजू निवास से निजामी मंजिल तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य। | 9.92 | 7500.00 | 750.00 | 60 दिन | 'द' एवं प्रवर | फार्म ए. एवं ए.बी.सी. सेड्यूल ऑफ आयटम |
| 3 | समग्र शिक्षा मद अतर्गत शा पूर्व मा.शाला कुरूद में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य। (यूडाईस कोड-221715205) | 8.07 | 7500.00 | 750.00 | 90 दिन | 'द' एवं प्रवर | फार्म ए. एवं ए.बी.सी. सेड्यूल ऑफ आयटम |
| 4 | पार्षद निधि अंतर्गत वार्ड क्र-27 शास्त्री नगर में विभिन्न स्थानो में बोर खनन कार्य। | 5.66 | 6000.00 | 750.00 | 45 दिन | 'द' एवं प्रवर | फार्म ए. एवं ए.बी.सी. सेड्यूल ऑफ आयटम |
| 5 | पार्षद निधि अंतर्गत वार्ड क्र-24 हाऊसिग बोर्ड में 4 नग बोर खनन कार्य। | 4,79 | 5000.00 | 750.00 | 45 दिन | 'द' एवं प्रवर | फार्म ए. एवं ए.बी.सी. सेड्यूल ऑफ आयटम |
| 6 | पार्षद निधि अतर्गत वार्ड क्र-14 में शाति नगर में 2 नग बोर खनन कार्य। | 2.92 | 3000.00 | 750.00 | 45 दिन | 'द' एवं प्रवर | फार्म ए. एवं ए.बी.सी. सेड्यूल ऑफ आयटम |
| 7 | पार्षद निधि अतर्गत वार्ड क्र 15 अम्बेडकर नगर स्थित अम्बेडकर भवन के सामने चबूतरा निर्माण कार्य। | 2.56 | 2000.00 | 750.00 | 45 दिन | 'द' एवं प्रवर | फार्म ए. एवं ए.बी.सी. सेड्यूल ऑफ आयटम |
| 8 | पार्षद निधि अतर्गत वार्ड क्र.-27 शास्त्री नगर अंतर्गत 19 नं. रोड गोद गोदा बोर चढ़ाकर निवास के सामने सार्वजनिक कला मंच निर्माण कार्य। | 2.00 | 2000.00 | 300.00 | 60 दिन | 'द' एवं प्रवर | फार्म ए. एवं ए.बी.सी. सेड्यूल ऑफ आयटम |
| 9 | पार्षद निधि अतर्गत वार्ड क्र-27 शास्त्री नगर सार्वजनिक भवन में नयी सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य। | 1.50 | 2000.00 | 300.00 | 45 दिन | 'द' एवं प्रवर | फार्म ए एवं ए.बी.सी. सेड्यूल ऑफ आयटम |

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञापित, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम मिलाई की वेबसाईट WWW.BHILAINAGARNIGAM.COM अथवा संचालनालय की वेबसाईट WWW.UAD.CG.GOV.IN एवं विप्स की वेबसाईट WWW.EPROC.CGSTATE.GOV.IN और BHILAI.URBANECG.GOV.IN से देखी जा सकती है।

**जोन आयुक्त**
**जोन क्रमांक-02**

# संक्षिप्त-खबर

## आसिफ धनानी किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव बने

**बसना ( समय दर्शन )।** छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने पूर्व विधायक राजा देवेन्द्र बहादुर सिंह की अनुशंसा पर बसना नगर के आसिफ धनानी को छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव के पद पर नियुक्त किया है। सक्रिय कांग्रेसी नेता आसिफधनानी पूर्व में युवक कांग्रेस के अध्यक्ष एवं जिला संगठन मंत्री के पद पर रह चुके हैं। बसना नगर के सक्रिय समाज सेवी एवं काँग्रेसी नेता आसिफधनानी को किसान काँग्रेस के प्रदेश महासचिव नियुक्त किये जाने पर पूर्व विधायक राजा देवेन्द्र बहादुर सिंह, वरिष्ठ काँग्रेसी नेता मनजीत सिंह सलूजा, तौकीर दानी, तनवीर सईद , इश्तियाक खेरानी, नंदलाल मिश्रा,अनीक दानी,मोतीलाल नायक, मोक्ष प्रधान जिला पंचायत सदस्य, शिव बघेल, श्रीमती मंदाकिनी साहू , दुकलीबाई ताँडी, यास्मिन बेगम, रज्जू छाबड़ा, प्रकाश जैन, खालिद दानी, राकेश साहू , परदेशी यादव, दिब्यानंद भोई,बरतराम नागेश, महिपालसिंह जटाल, बसंतकुमार साहू, सक्रिय पार्षद मनोज गहरवाल, शिव नायक, रमेश दास, कैलाश प्रधान, महेंद्र नायक ,राजकुमार कालू , प्यारेलाल साहु, केशव पटेल, राधेराम नंद, सेतकुमार डड्सेना, राधेश्याम नायक, मोहित कश्यप, सी डी बघेल, उत्तर कुमार पारेशवर, मनोज प्रधान, प्रकाश दास, करुण दाऊ,रियाज भाई, गोकुल पारेश्वर , ननकी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है।

## बारिश के चलते स्टॉप डैम धँसने से एक बुजुर्ग आया चपेट मे



**सिंघोड़ा( समय दर्शन )।** सिंघोडा थाना क्षेत्र के रक्सा गांव में बारिश के चलते एक बुजुर्ग मरूम में दब गया।

वह नाले पर बने स्टॉप डैम पर खड़ा था। लेकिन पानी के तेज बहाव और भीतरी रिसाव के चलते स्टॉप डैप का मुरूम अचानक अंदर धंस गया। मौके पर खड़ा बुजुर्ग शोभा राम मुरुम के साथ ही जमीन के अंदर धंस गया। आस-पास मौजूद ग्रामीणों ने जैसे ही यह देखा उन्होंने अधेड़ को ढूंढने की कोशिश की लेकिन वह नहीं दिखा। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

## विधान सभा सचिवालय में पत्रकारों के लिए ''संसदीय रिपोर्टिंग'' विषय पर कार्यशाला आज

### समापन सत्र में सांसद, राज्यसभा डॉ. सुधांशु त्रिवेदी होंगे मुख्य वक्ता

**रायपुर (समय दर्शन)।** छत्तीसगढ़ विधान सभा सचिवालय स्थित प्रेक्षागृह में शनिवार, 05 जुलाई,को पूर्वान्हः 11.00 बजे से ''संसदीय रिपोर्टिंग'' विषय पर मीडिया प्रतिनिधियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला में व्याख्यान हेतु उदघाटन सत्र में डॉ. संजय द्विवेदी, पूर्व निदेशक, भारतीय जन संचार संस्थान एवं प्रोफेसर माखन लाल चतुर्वेदी, राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्व विद्यालय, भोपाल एवं समापन सत्र में डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, सांसद, राज्यसभा मुख्य वक्ता होंगे। इस कार्यशाला का शुभारंभ विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, करेंगे ।इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत एवं संसदीय कार्यमंत्री केदार कश्यप, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेगें ।इस कार्यशाला का विस्तृत कार्यक्रम पूर्वान्हः 11:00 से 11:45 बजे तक उदघाटन सत्र, प्रथम सत्र दोपहर 12:30 से 02:00 बजे तक डॉ. संजय द्विवेदी, प्रोफेसर माखन लाल चतुर्वेदी, राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्व विद्यालय, भोपाल का व्याख्यान होगा ।अपरान्ह 02:00 से 03:30 बजे तक दोपहर भोज एवं समापन सत्र में अपरान्हः 03:30 से 05:00 बजे तक सांसद, राज्यसभा डॉ. सुधांशु त्रिवेदी का व्याख्यान होगा।

## निधन : श्रीमती ठगीया बाई चंद्राकर



**दुर्ग।** सुनील न्यूज़ एजेंसी दुर्ग के मालिक स्वर्गीय भुवन लाल चंद्राकर की माता बैगा पारा दुर्ग निवासी वर्तमान में गिरधार नगर में निवासरत श्रीमती ठगीया बाई चंद्राकर उम्र 96 वर्ष का शुक्रवार को निधन हो गया।इनका अंतिम संस्कार हरना बांधा मुक्तिधाम में किया गया।वे स्वर्गीय भुवन लाल चंद्राकर, जीवन लाल चंद्राकार, पूरनलाल चंद्राकर, तोरण लाल चंद्राकार ,किशन लाल चंद्राकार की माताजी तथा सुनील, संजय ,देवेंद्र मनोज ,रामानुज,जयप्रकाश ओमप्रकाश ,दीपक ,की दादी थी।

# शरीयत के दायरे में मनाये मोहर्रम : हाजी रईस अहमद शकील

**राजनांदगांव ( समय दर्शन )।** इस्लामिक शोहदाए कर्बला कमेटी के बैनर तले जिक्र-ए-शोहदाए कर्बला शहर जामा मस्जिद के बाड़े में आयोजित किया जा रहा है। शहर एतराफ जामा मस्जिद के मीडिया प्रभारी सैय्यद अफ्जल अली ने बताया कि शोहदाए कर्बला कमेटी के सदर असद रजा की अध्यक्षता और तमाम उलेमा इकराम की सरपरस्ती में यह आयोजित हो रहा है, जिसका संचालन जेरे निजामत हाफिज हाजी सलीम रजा तहसीनी सहाब कर रहे हैं। उक्त प्रोग्राम में धर्मगुरू मुफ्ती शेर मोहम्मद बरकाती साहब उत्तरप्रदेश नौ दिनों की तकरीर (प्रवचन) कर कर रहे हैं। इन 9 दिनों में वह अलग-अलग दिन नूरी मस्जिद कन्हारपुरी, शाहे मदीना मस्जिद शांतिनगर, नूरी मस्जिद गौरी नगर, मोती मस्जिद तुलसीपुर तकरीर पूरी कर पांच दिन की तकरीर का प्रोग्राम जामा मस्जिद में कर रहे हैं।

जामा मस्जिद के सदर हाजी रईस अहमद शकील ने बताया कि मोहर्रम का महीना बहुत ही फजीलत व बरकत वाला महीना है। यह पहला इस्लामिक महीना है जिसमें नवासए रसूल हजरत इमामे हुसैन करबला में अपनी शहादत दी थी और इस्लाम के परचम को बुलंद किया था। इस्लामिक महीना मोहर्रम की दस तारीख को इस्लाम धर्म की रक्षा करते हुए वह करबला के मैदान में बातिलों (दुश्मनों) से लड़ते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी और दुनिया को यह पैगाम दे दिया कि कभी भी बातिल के आगे सर न झुकाना। हुजूरे पाक रहमतुल्लाह अलेह ने फरमाया कि हजरत इमामे हुसैन और इमाम हसन जन्नती जवानों के सरदार हैं। रईस अहमद शकील ने समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि शरीयत के दायरे में रहकर मोहर्रम मनायें। इस्लाम हमेशा नाजाइज व हराम कामों से रोकता है, मोहर्रम में आवाम फिजुलखर्ची से बचें, गरीब व बेसहारा लोगों की मदद करें। शेर बन कर नाचना ठोल तासे, गम में रोना गाना यह तमाम काम शरीयत के वाजाइज व मना हैं। सिर्फ हमारे है हुसैन का नारा लगाने की जगह फलसफा-ऐ-हुसैन समझने की जरूरत है, और जरूरत है मोआशरे को ये बताने की कि, मोहर्रम सिर्फएक महीना या एक रिवाज नहीं, एक दर्सगाह है, हमारी तालीमगाह है। मां की गोद से कब्र की आगोश तक हमने यही दर्स सीखा है कि बातिल के मुकाबिल टिके रहना है हुसैन के इनकार की तरह, और आजमाइश कितनी ही सख्त क्यों ना हो हमें सब्र और तहम्मुल से काम लेना है। आज, ऐसा ही सख्त वक्त और कड़े इम्तेहान का वक्त है कि जब हमको एक नजीर पेश करनी है कि हम एक जिम्मेदार और मुनज़्ज़िम कौम हैं, कर्बला का मकसद था इंसानियत और आदमियत की बकाए और आज आलम-ए-आदमियत सख्त आजमाइश के दौर में है तो हम सब पर बड़ी जिम्मेदारी है।

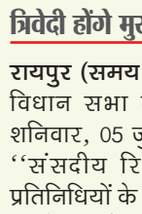

# नेशनल सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में मुस्कान ने जीता कांस्य पदक

■ कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने दी मुस्कान को बधाई



**महासमुन्द ( समय दर्शन )।** 20 वीं जूनियर नेशनल सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप बालक एवं बालिका 2025-26 का आयोजन दिनांक 26 से 30 जून 2025 तक सॉफ्ट टेनिस संघ हरियाणा द्वारा पंचकुला हरियाणा में आयोजित किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य की टीम में महासमुंद जिले की मुस्कान निषाद पिता पवन निषाद ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिल की। राष्ट्रीय जूनियर सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने पर मुस्कान को कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने खुशी जाहिर करते हुए मेडल पहनाकर बधाई दीं। साथ ही सीईओ एस आलोक, डीएफओ मयंक गुप्ता, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, सहायक क्रीड़ा अधिकारी अंजलि बरमाल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी लीलाधर सिंहा, हिना ढालेन, अनिल पुस्तकर अध्यक्ष राज्य सॉफ्ट टेनिस संघ, प्रमोद ठाकुर प्रशिक्षक, रीमा राय प्रशिक्षक, रविधनगर मैंनेजर, दिलीप विश्वकर्मा मैंनेजर, संजय शुक्ला, अनिल राय, उमेश ठकुर, राजेश पाटिल, हेमेंद्र आचर्य प्राचार्य सेजेश हिन्दी महासमुंद, चमन चंद्राकर व समस्त स्टॉप, व्यायाम शिक्षक अंजनी साहू, डॉ. सुनील कुमार भोई, चारु लता, डॉ. सेवन दास मानिकपुरी, व घनश्याम सोनी, हरिशंकर साहू, ओमेस्वरी विश्वकर्मा, गौतम साहू, जिज्ञासा साहू, अविरा ध्रुव, महफूज़ सिदरा, अमन साहू, ओजस यादव, गीतांश साहू, आयुष ध्रुव ने बधाई दी। सॉफ्ट टेनिस खेल का अभ्यास वन विद्यालय टेनिस कोर्ट में प्रशिक्षक अंजनी साहू व्यायाम शिक्षक के नेतृत्व एवं वन विभाग एवं खेल विभाग के सहयोग से नियमित रूप से किया जा रहा हैं। खेल को आगे बढ़ाने के लिए खेल विभाग द्वारा संसाधन उपलब्ध कराया गया है जिसके माध्यम से खेल संचालित किया जा रहा हैं। खेल विभाग द्वारा ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए तैयार किया जा रहा। जिले के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय सॉफ्ट टेनिस एवं टेनिस खेल में भागीदारी करने के साथ पदक प्राप्त किया है।नवीन यादव ने लॉन टेनिस में गोल्ड मेडल, केशव साहू ने लॉन टेनिस में सिल्वर मेडल एवं स्कूल नेशनल में भागीदारी की है, नूर जहाँ पटेल ने सॉफ्ट टेनिस में सिल्वर मेडल प्राप्त किया है। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने प्रमाण पत्र वितरण कर सम्मानित किया।

# समय दर्शन खबर का असर: बंद मिडिल कट को तोड़ने वालों पर रखी जा रही नजर, बढ़ती दुर्घटना को देख pwd ने जांच शुरू किया

**पाटन।** समय दर्शन की खबर ने एक बार फिर असर दिखाया है। कल ही सड़क दुर्घटना को संज्ञान में लेते हुए जो मिडिल कट को बंद किया था उसे तोड़ दिया गया है उन पर नजर रखी जा रही है । वही बंद मिडिल कट को तोड़ दिया गया है उसे फिर से बंद करने की तैयारी कर रहे है।

जानकारी के मुताबिक पाटन नगर में स्वामी आत्मानंद चौक से आजाद चौक रोड में बस स्टैंड के पास मिडिल कट था। जिसे दुर्घटना होने पर बंद किया था इसके बाद कुछ लोगों ने इसे तोड़ दिया। फिर से बड़े छोटे वाहन इसमें चलने लगे। अब फिर सड़क दुर्घटना की आशंका बढ़ गई हैं ।इसके अलावा गौड़ पेंडरी से सेलूद के मध्य प्रसाद बाड़ी के पास बंद मिडिल कट को खोल दिया है। जिसमें कल ही हाइवा और ट्रेक्टर की टक्कर हो गई थी। इस मामले में समय दर्शन से चर्चा करते हुए लोक निर्माण विभाग के अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती सोनल ढरेन्द्र ने बताया कि आपके द्वारा यह संज्ञान लाया गया है। जिस पर नजर रखी जा रही है। बंद मिडिल कट को तोड़ने वालो का पतासाजी किया जा रहा है। वही इसे फिर से बंद करने की तैयारी कर रहे है।

### शार्ट कट का रास्ता बनाने स्टेट हाइवे का मिडिल कट काट दिया, आज सुबह हो गई बड़ी दुर्घटना, ट्रेक्टर और हाइवा में जबरदस्त टक्कर



**बलराम यादव/ पाटन।** दुर्ग पाटन स्टेट हाइवे पर सेलूद और गोड़पेंड्री के मध्य प्रसाद बाड़ी के पास आज सुबह सुबह एक बड़ी दुर्घटना घट गई। एक हाईवा और ट्रेक्टर में जबरदस्त भिड़ंत हो गया। इस भिड़ंत में हाइवा और ट्रेक्टर का इंजन बुरी तरह क्षति हुई है। वही दोनों वाहन के ड्राइवर को गंभीर चोट आई है। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। यह पूरा घटना का एक ही कारण है कि कुछ खदान संचालकों और वाहन चालकों के द्वारा बड़ी वाहन को शार्ट कट रास्ता मिल सके इसके लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाए गए मिडिल कट को तोड़ कर रास्ता बनाया गया है। बता दे कि जिस जगह पर दुर्घटना हुई है वहां पर पहले भी बहुत सी दुर्घटनाएं हो चुकी है इस कारण रास्ता का बंद कर मिडिल कट बनाया था। सड़क दुर्घटना में हाइवा सीधा रोड में आ रहा था। ट्रेक्टर चालक ने मिडिल कट क्लास करने स्पीड बढ़ाई और सामने से आ रही हाइवा अनियंत्रित हो गई और पहले ट्रेक्टर को ठोकर मारी उसके बाद पास के ही मशरुम उत्पादन केंद्र के दिवाल को भी तोड़ दिया। इस घटना से दोनों वाहन के ड्राइवर को गंभीर चोट आई है जिसे अस्पताल ले जाया गया। इधर सड़क में गाड़ी फंसी होने के कारण दुर्ग से पाटन की तरफ जाने वाली मार्ग पर जाम लगना शुरू हो गया ।सिर्फ बाइक ही निकल पा रही थी । घटना की खबर उतई पुलिस को जैसे ही मिली तो पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पहले रास्ता क्लियर कराया इसके बाद दोनों गाड़ी को हाइड्रा की मदद से सड़क के किनारे किया गया। बता दे कि इसी तरह के कई मिडिल कट को दुर्घटना होने के कारण बंद किया गया है। लेकिन वाहन चालकों द्वारा पेट्रोल और अपना समय बचाने के लिए मिडिल कट के लोहे एंगल को काटकर रास्ता बना लिया है। जो को अब खतरनाक साबित हो रहा हैं

# व्याख्याता की विदाई पर भावुक हुआ पूरा गांव, छात्र-छात्राओं की आंखें हुईं नम



**राजनांदगांव ( समय दर्शन )।** पंडित तुलसी प्रसाद मिश्रा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, चिरचारी कला में व्याख्याता मनहरण लाल पिथौरा के सेवानिवृत्त होने पर संकुल स्तरीय विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्रों से लेकर ग्रामीणों तक सभी भावुक नजर आए। छात्र-छात्राएं अपने प्रिय शिक्षक की विदाई पर फूट-फूटकर रो पड़े। समारोह में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक भोलाराम साहू ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव, जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा, सरपंच भारती मंडावी, जिला महामंत्री नरेश शुक्ला, विधायक प्रतिनिधि लालचंद साहू, पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष प्रहलाद मिश्रा, वर्तमान अध्यक्ष अंजनी शर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रशांत चितावरकर, प्राचार्य एसबी उर्वशा तथा स्त्रोत समन्वयक पीडी साहू मंचासीन रहे।

समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन व छात्राओं के स्वागत गीत से हुई। इसके पश्चात विद्यालय के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। व्याख्याता पिथौरा को स्मृति चिन्ह, आदर्श पुस्तकें और अंगवस्त्र भेंटकर भावभीनी विदाई दी गई।

विधायक भोलाराम साहू ने कहा कि शिक्षक पिथौरा के अनुभव और मार्गदर्शन का लाभ छात्रों को लंबे समय तक मिलता रहा है। विद्यालय को उनकी कमी हमेशा खलेगी।

जिपं अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव ने कहा कि पिथौरा सर ने अनुशासन, समर्पण और स्नेहभाव से शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है।

जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा ने कहा कि शिक्षक का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने विद्यार्थियों में ज्ञान का दीप जलाया है। मनहरण लाल पिथौरा ने अपने 12 वर्षों के सेवाकाल में चिरचारी कला में बच्चों को शिक्षित करने के साथ-साथ समाज के प्रति समर्पण भाव से कार्य किया। ग्रामीणों से उनका गहरा जुड़ाव था, यही कारण रहा कि विदाई की सूचना मिलते ही गांव में जनसैलाब उमड़ पड़ा और हर आंख नम हो गई।

कार्यक्रम में संस्था के वरिष्ठ व्याख्याता विमला माहेश्वरी, संकुल समन्वयक भूषण वाडेकर, प्रधान पाठक हेमंत सलामे, गज्जू कन्नौजे, महेश पड़ोती, हीरालाल गजभिये, अखिल पटेल, देवेंद्र साहू, अशोक सहाड़े, संतोष निर्मलकर, चतुर साहू, प्रकाश सिलाता, पुष्पा चुरेन्द्र, सेवती साहू, दीपमाला साहू, खेलन देवांगन, एकलव्य साहू, प्रेम भुआर्य, सविता सलामें सहित कई शिक्षक व ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन आत्मीयता, सम्मान और यादों के साथ हुआ। यह विदाई समारोह चिरचारी कला गांव के इतिहास में एक भावनात्मक अध्याय के रूप में दर्ज हो गया।

# भारत स्काउट्स × गाईड्स संघ की बैठक सम्पन्न



**पिथौरा (समय दर्शन)।** भारत स्काउट्स गाइड्स स्थानीय संघ की बैठक स्थानीय शासकीय बुनियादी शाला में आयोजित किया गया ।जिसमे मुख्य अतिथि सत्यनारायण अग्रवाल अध्यक्ष स्थानीय संघ ,अध्यक्षता स्वप्निल तिवारी पूर्व जिला उपाध्यक्ष,विशिष्ट अतिथि श्रीमती देवकुमारी चौधरी थे ।सर्वप्रथम प्रार्थना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बैठक राज्य मुख्यालय द्वारा आदेशानुसार आगामी 7 जुलाई को वृहद वृक्षारोपण हायर सेकंडरी स्कूल सुखीपाली में करना प्रस्तावित किया गया। एवं वार्षिक आय व्यय की जानकारी प्रस्तुत कर वार्षिक कार्यक्रम के बारे में विस्तृत दिया गया। इस अवसर पर संतोष साहू जिला प्रशिक्षण अधिकारी, झनेश कुमार साहू सचिव ,रामकुमार नायक राजीव तिवारी कमलेश दीवान, पतिराम पटेल,रोहिणी देवगन , अंशुमान ताडी,विजय सिन्हा,चतुर्भुज राणा ,श्रीमती सुकांती नायक,श्रीमती दीपिका देवांगन बैठक की जानकारी दिलीप निषाद ब्लाक मीडिया स्काउट गाइड संघ ने दी।

# राज्यपाल रमेन डेका ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर दिए सफलता के मंत्र






**पिथौरा ( समत दर्शन )।** छत्तीसगढ़ में महामहिम राज्यपाल रमेन डेका आज शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल, गोड़बहाल पहुंचे।

जहां वे अध्यापक की भूमिका में नजर आए और कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, समय प्रबंधन और कड़ी मेहनत का महत्व समझाते हुए जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल ने सरल भाषा में सी.वी. रमन इफेक्ट के बारे में जानकारी दी और बताया कि, शिक्षा में भाषा कभी भी बाधा नहीं बनती।

उन्होंने कहा कि, स्कूल केवल पढ़ाई का स्थान नहीं है, बल्कि यह बौद्धिक विकास का केंद्र है। बातचीत के दौरान उन्होंने '3 इडियट्स' फिल्म का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों से फिल्म के सकारात्मक संदेश को अपनाने की सलाह दी। राज्यपाल श्री डेका ने विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति (हृश्वक्क) के प्रमुख बिंदुओं से भी अवगत कराया और कहा कि यह नीति विद्यार्थियों को उनकी रुचि और क्षमताओं के अनुसार सीखने के अवसर प्रदान करती है।

अपने संवाद के दौरान राज्यपाल ने जानकारी दी कि,मेधावी छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए पुरस्कार प्रदान किया।

उन्होंने मेधावी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दिए ।

इस आत्मीय संवाद में कक्षा 12वीं की छात्रा कु. दिव्या ने राज्यपाल से अपने लक्ष्य साझा करते हुए कहा कि, वह यूपीएससी परीक्षा के माध्यम से आईएएस बनना चाहती हैं। राज्यपाल श्री डेका ने उन्हें यूपीएससी की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए और धैर्य तथा कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। इसी तरह विद्या राजपूत ने भी यूपीएससी की तैयारी हेतु मार्गदर्शन प्राप्त किया, जिन्हें भी राज्यपाल ने विशेष टिप्स और हौसला प्रदान किया।

इस दौरान उन्होंने एक पेड़ मां के नाम थीम फल नीम का पौधा रोपण किया। कार्यक्रम में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ,एस आलोक,एवं सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग ( छ.ग. ) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26